चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 147 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
20 नवंबर 2024 बुधवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

महाराष्ट्र में सुस्त रफ्तार, झारखंड में तेज वोटिंग, मैनपुरी में बवाल

मतदान में कैश फॉर वोट व बिटकॉइन की खनक, झारखंड में सीधी टक्कर

मुंबई/ रांची.एजेंसी

आज महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की भारी गहमागहमी है। महाराष्ट्र में कांटे के चुनाव में शरद पवार, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उनके पूर्ववर्ती उद्धव ठाकरे, डिप्टी सीएम अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस की प्रतिष्ठा दांव पर है। दूसरी तरफ, में मुकाबला सत्तारूढ़ इंडिया ब्लॉक और एनडीए के बीच है। झारखंड में आज कुल 81 विधानसभा सीटों में से 38 पर मतदान हो रहा है। दोनों राज्यों में चुनाव नतीजों का ऐलान 23 नवंबर को किया जाएगा। हालांकि आज महाराष्ट्र मतदान पर बिटकॉइन विवाद की छाया है। तो झारखंड में घुसपैठ जैसा मुद्दा सुर्ख रहा है। यहां सत्तारूढ़ जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन का मुकाबला भाजपा से है। दोनों राज्यों में दोपहर तक करीब चालीस फीसद मतदान हो चुका था। महाराष्ट्र में कई इलाकों में सुबह मतदान में सुस्ती भी देखी गई। मुंबई में कई सेलिब्रिटी मतदान करने पहुंचे। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हर वोट कीमती होता है।

अजित ने ऑडियो को 'सही' माना, सुप्रिया ने की पुलिस को शिकायत

कल भाजपा नेता तावडे पैसा बांटते कथित तौर पर विरोधियों द्वारा रंगे हाथ पकडे गये थे। तो बाद में कांग्रेस नेता नाना पटोले व एनसीपी नेता सुप्रिया सुले बिटकॉइन विवाद में उलझ गये। इसका आडियो क्लिप सामने आने पर बवाल होने लगा। पटोले ने कहा कि बीजेपी ने चुनाव से एक शाम पहले ओछी हरकत की है। ऑडियो क्लिप में मौजूद आवाज मेरी नहीं है, मैं तो किसान हूं मुझे बिटकॉइन समझ नहीं आता है। हम मानहानि का केस करेंगे। उधर सुप्रिया सुले ने परिवार के साथ मतदान के बाद बिटक्राइन से जुड़े विवाद पर सफाई दी व कहा कि मीडिया में चल रही ऑडियो क्लिप में उनकी आवाज नहीं है उसे चेक करवा लिया जाए। सुप्रिया ने बताया कि मैंने साइबर क्राइम में कम्प्लेन कर दी है, मैंने भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी के खिलाफ क्रिमिनल मानहानि का नोटिस दिया है। दरअसल भाजपा ने सुप्रिया सुले और नाना पटोले पर बिटक्राइन ट्रांजेक्शन का आरोप लगाया था। इस विवाद पर अजित पवार ने कहा कि जांच होना चाहिये, क्योंकि पटोले को मैं कई सालों से जानता हूं। मैं उनकी आवाज पहचान सकता हूं पर स्पष्ट नहीं कह सकता, जहां तक इस ऑडियो क्लिप में मौजूद आवाज का सवाल है ये सुप्रिया सुले और नाना पटोले की आवाज लगती है। वहीं शरद पवार ने सुप्रिया सुले पर लगे आरोपों पर कहा कि जिस व्यक्ति ने आरोप लगाए हैं, वह कई महीनों तक जेल में रहा और उस व्यक्ति को साथ लेकर झूठे आरोप लगाना, ऐसा सिर्फ बीजेपी ही कर सकती है।

सांसद समर्थकों ने डंडे बरसाए

धनबाद में सांसद ढुलु महतो के समर्थकों के काफिले से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो गया है इसमें सांसद के समर्थक विरोध कर रहे ग्रामीणों पर डंडे बरसाते और ग्रामीणों को गाड़ी में भरते दिखाई दे रहे हैं। महतो के समर्थक अपने भाई और बाघमारा से बीजेपी प्रत्याशी शत्रुघ्न महतो के समर्थन में निकले थे. तभी कुछ लोगों ने उनका विरोध किया।

15 सीटों पर उपचुनाव, उप्र में भाजपा-सपा में 'जंग'

आज उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल और उत्तराखंड की 15 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए भी मतदान जारी है। इन 15 सीटों में 13 सीटें ऐसी हैं, जो विधायकों के सांसद बन जाने के बाद खाली हुई थीं। इसके अलावा एक सीट पर निधन और एक सीट नेता के जेल जाने के बाद खाली हुई है। इनमें 9 सीटें उप्र की हैं, इसे 2027 का सेमीफाइनल माना जा रहा है। उप्र की मीरापुर सीट पर मतदान के दौरान हंगामे हो रहे हैं। ककरौली में भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया तो पुलिस ने भीड़ को दौड़ाया। बताते हैं कि मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए निकले थे लेकिन भीड़ अधिक होने के कारण पुलिस ने व्यवस्था बनाने को लेकर जब उनसे कहा तो उन लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया।

मणिपुर में भाजपा दोफाड़ बैठक में नहीं पहुंचे विधायक

गुवाहाटी, एजेंसी

काफी समय से अस्थिर मणिपुर राज्य में भाजपा के भीतर दरार और गहरी हो गई है। इससे मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की सिथति खराब हो सकती है। क्योंकि राज्य में स्थिति का आकलन करने के लिए बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक में उनकी पार्टी के अधिकांश विधायक यानि करीब 19 शामिल नहीं हुए। इनमें मुख्य रूप से मैतेई समुदाय से आने वाले एक कैबिनेट मंत्री भी शामिल हैं। बैठक का निमंत्रण मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बीजेपी और एनडीए में उसके सहयोगी दलों के सभी मंत्रियों और विधायकों को तब भेजा गया था। जब उसके प्रमुख सहयोगी एनपीपी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। इसके बाद एनपीपी अध्यक्ष और मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ने कहा था कि उनकी पार्टी अब सीएम बीरेन सिंह पर भरोसा नहीं रखती है और नेतृत्व में बदलाव होने पर अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगी।

यादव आज मंत्रियों के साथ देखेंगे 'साबरमती रिपोर्ट'

भोपाल, एजेंसी

मुख्यमंत्री मोहन यादव अब अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ आज शाम ओपन थिएटर में 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म देखने जाएंगे। गुजरात में हुए गोधरा कांड पर आधारित फिल्म में विक्रांत मैसी, राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा ने अभिनय किया है। यादव राजधानी के अशोका लेक व्यू में अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों और विधायकों के साथ बॉलीवुड फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देखेंगे। इससे पहले सुबह मुख्यमंत्री यादव ने फिल्म के मुख्य अभिनेता विक्रांत मैसी से वीडियो कॉल के जरिए बात की। मैसी ने इस दौरान मप्र में फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार माना। ज्ञात हो कि आज सीएम यादव गुजरात प्रवास पर हैं। वे दोपहण में अहमदाबाद से भोपाल लौटने के बाद कैबिनेट की बैठक लेंगे। इसके बाद वे शाम सात बजे से 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म देखने जाएंगे।

कनाडा से आने वाले भारतीयों की अतिरिक्त जांच के निर्देश

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत और कनाडा के बीच रिश्तों में जारी खटास के बीच कनाडा सरकार ने एक और नया आदेश जारी किया है, जिससे कनाडा से भारत आने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दरअसल, कनाडा की सरकार ने कनाडा से भारत आने वाले लोगों की अतिरिक्त सुरक्षा जांच करने का फैसला किया है। कनाडा की परिवहन मंत्री अनीता आनंद ने लोगों से समय से पहले एयरपोर्ट पहुंचने की अपील की। कनाडा परिवहन ने कुछ अस्थायी सुरक्षा जांच नियम लागू किए हैं। इसके चलते यात्रियों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। ये नियम कनाडा एयर ट्रांसपोर्ट सिक्योरिटी अथॉरिटी द्वारा लागू किए गए हैं। यह एजेंसी हवाई यात्रा करने वाले लोगों की सुरक्षा जांच और उनके सामान की स्क्रीनिंग करने के लिए जिम्मेदार है। इस आदेश के तहत कनाडा से भारत जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा जांच का सामना करना पड़ेगा।

स्पर्धा की तैयारी में दौड़ रही छात्राओं को ट्रक ने कुचला

शिवपुरी । स्कूल में होने वाली प्रतियोगिता की तैयारी के लिए दौड़ लगा रहीं तीन छात्राओं को एक ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में एक छात्रा की मौत हो गई, बाकी दो गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल छात्राओं को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है। शिवपुरी में तीनों छात्राएं स्कूल में होने वाली दौड़ की स्पर्धा की तैयारी कर रहीं थीं। दौड़ लगाने के बाद हाईवे पर सर्विस लाइन पर तीनों रेस्ट कर रहीं थीं। इसी दौरान ट्रक रेलिंग तोड़ता हुआ उन पर चढ़ गया, जिसमें एक छात्रा की मौत हो गई। लोगों ने पुलिस और एंबुलेंस को दुर्घटना की सूचना दी और दोनों घायल छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया। हादसे में मृत छात्रा के शव को पीएम के लिए भेजा।

दिल्ली के सरकारी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को कम करने लिए दिल्ली सरकार कई कदम उठा चुकी है। ग्रैप के चारों चरणों को लागू करने के बाद अब दिल्ली पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज ट्वीट पर जानकारी दी कि प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने सरकारी कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम लागू करने का फैसला किया। 50 प्रतिशत कर्मचारी घर से काम करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि इसके इम्प्लीमेंटेशन के लिए सचिवालय में आज अधिकारियों के साथ बैठक होगी। गौरतलब है कि स्कूलों व निजी दफ्तरों समेत वाहनों पर भी कई तरह के प्रतिबंध लागू किये जा चुके हैं।

मेट्रो एंकर बड़े देश भी परेशान, अमेरिका के एक फैसले से बढ़ा खतरा

तीसरे विश्वयुद्ध की आहट, दानापानी जमा करने लगे छोटे देश

मास्को, एजेंसी

यूक्रेन-रूस की दो साल से जारी जंग अब भयानक मोड़ लेने पर आमादा नजर आने लगी है। इससे दुनिया पर तीसरे विश्व युद्ध का खतरा भी मंडराने लगा है। वजह यह कि, रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल के हमले का जवाब न्यूक्लियर अटैक से दिए जाने का ऐलान कर दिया है। रूस ने अपनी नई परमाणु नीति का ऐलान करके पूरी दुनिया में बेचैनी पैदा कर दी है। ऐसे में सवाल उठने लगा है कि क्या अब रूस, यूक्रेन पर न्यूक्लियर अटैक करेगा? जानकार कह रहे हैं कि यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बैलिस्टिक मिसाइल हमला करके लक्ष्मण रेखा क्रॉस कर दी है। यूरोपीय देश अब न्यूक्लियर वॉर के खतरे से अलर्ट होने लगे हैं। नॉर्वे-फिनलैंड-डेनमार्क में लोग खाना और बाकी जरूरी चीजें जुटाने लगे हैं। डरे हुए नाटो देशों ने अपने नागरिकों को पर्चे जारी किए हैं और उन्हें युद्ध की तैयारी करने की सलाह दी है।

वहीं, रूस में मोबाइल बंकर बनाने का काम भी शुरू हो गया है। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को एक हजार दिन पूरे हो गए हैं। ये जंग लगातार यूरोपीय देशों की टेंशन बढ़ती रही है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों के हमले की मंजूरी दी है। यानी यूक्रेन को सुपरसोनिक मिसाइल टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम के रूस के अंदर हमले के लिए इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई है। अमेरिका के इस फैसले के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का गुस्सा सातवें आसमान पर है। उन्होंने भी परमाणु हमले के नियम बदल दिए हैं। पुतिन ने ऐलान कर दिया है कि अगर यूक्रेन ने बैलिस्टिक मिसाइल दागी तो परमाणु हमला किया जाएगा।

दरअसल, यह सारा घटनाक्रम तब बदला, जब यूक्रेन ने रूस के अंदर टारगेट करने वाली लंबी दूरी की छह अमेरिकी मिसाइलें दागीं। यूक्रेन ने पहले भी यह इस्तेमाल किया था, लेकिन ये इस्तेमाल बॉर्डर से जुड़े इलाकों तक सीमित था। यह जमीन से जमीन पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है, जो 300 किलोमीटर दूर तक के टारगेट को भेद सकती है। लंबी दूरी तक मार करने की वजह से ही ये मिसाइल यूक्रेन के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। इसलिए कुछ देशों का मानना है कि तीसरे विश्व युद्ध का वक्त अब बहुत दूर नहीं है। जानकारों कह रहे हैं कि रूस की नई परमाणु नीति से तीसरे विश्व युद्ध का खतरा बढ़ा है।

रूस की इस नीति से बेचैन दुनिया

रूस ने नियमों में बदलाव करते हुए कहा है कि अगर गैर-परमाणु देश किसी न्यूक्लियर पावर वाले देश के सपोर्ट से हमला करता है तो इसे रूस के खिलाफ जंग माना जाएगा. रूस के खिलाफ बैलिस्टिक मिसाइल का जवाब परमाणु हमले से दिया जाएगा।

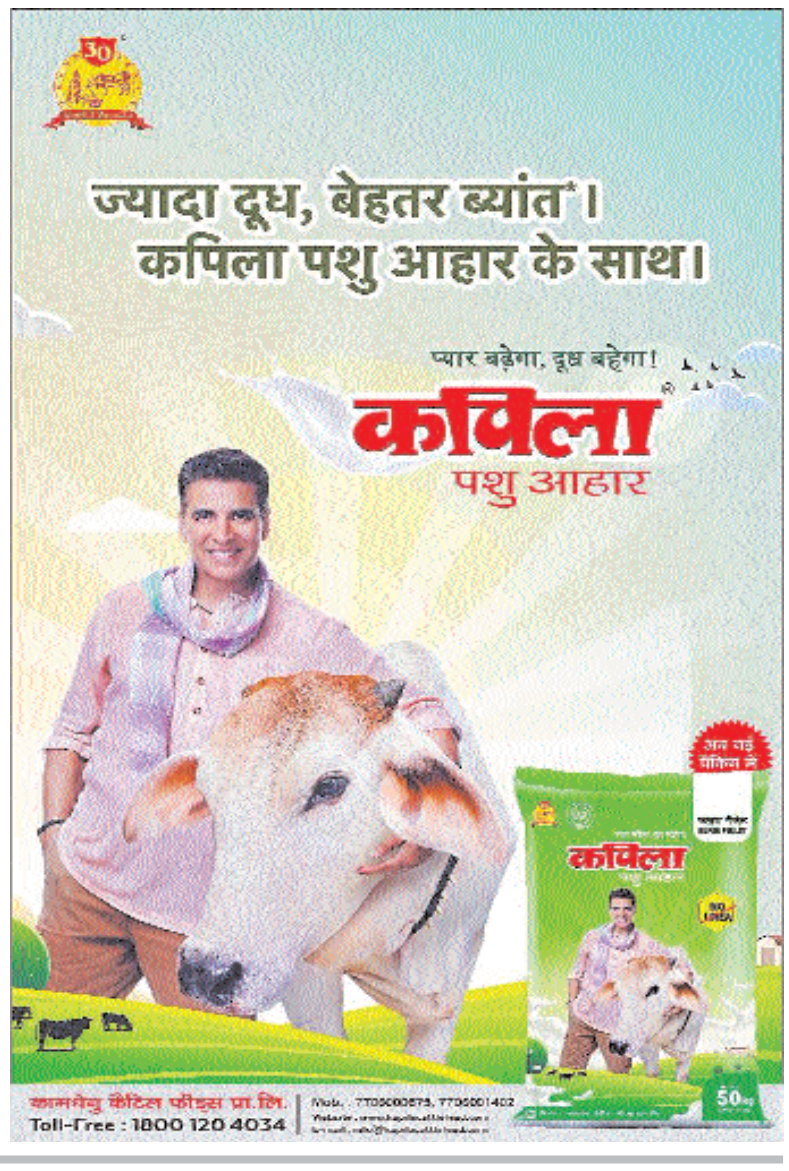

राज्य शिक्षा केंद्र संचालक की नोटशीट हुई वायरल, हड़कंप

लिखा- अधीनस्थों की कार्यप्रणाली के कारण मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, मंत्री व सचिव स्कूल शिक्षा को जानकारी नहीं दे पाते!

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक की एक नोटशीट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। इस नोटशीट में राज्य शिक्षा केन्द्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने दर्द बयां करने के साथ ही अधिनस्थ अधिकारियों को सख्त हिदायत भी दी है। नोटशीट में उन्होने कहा है कि वह अधीनस्थ अधिकारियों की कार्यप्रणाली से बेहद परेशान है। वह या तो उनका फोन ही नहीं उठाते या फिर मोबाइल स्विच ऑफ कर लेते हैं। जिससे विभागीय कार्यों को पूरा करने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

यह है पूरा मामला

दरअसल, राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों को लिखी गई नोटशीट वायरल हुई है। इस नोटशीट में सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा मंत्री द्वारा विभागीय गतिविधियों के संबंध में सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी मुझसे चर्चा की जाती है। इसको लेकर संबंधित कक्ष नियंत्रक और समन्वयकों को मोबाइल लगाया जाता है, ताकि संबंधित विषय के संबंध में जानकारी ली जा सके, लेकिन खेद का विषय है कि सार्वजनिक अवकाश के दिन मैं उनसे मोबाइल पर बात करना चाहता हूं तो वे मोबाइल को स्विच ऑफ कर लेते हैं या रिसीव ही नहीं करते। इस कारण मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, मंत्री और सचिव स्कूल शिक्षा विभाग को जानकारी नहीं दे पाते हैं।

संचालक हरजिंदर सिंह ने अपने नोटिंग में यह भी कहा है कि इन स्थितियों में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जबकि कार्यालय व्यवस्था संचालन के लिए सभी का सहयोग करना नैतिक दायित्व है। खासतौर पर केंद्र में पदस्थ सहायक संचालक, संयुक्त संचालक, नियंत्रक, समन्वयक की यह जिम्मेदारी भी है। उन्होंने इन अधिकारियों को यह भी कहा है कि अगर अब सभी अधिकारी अपने कर्तव्यों और दायित्वों का निर्वहन निष्ठा से करें। अन्यथा की स्थिति में उन्हें वैधानिक कार्यवाही के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिससे जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने मुख्यमंत्री से पूछा है कि क्या यही सुशासन है। उन्होंने यह नोटशीट भी शेयर की है।

कंबलों की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ठंड का मौसम आते ही कंबलों की मांग में इजाफा हुआ है। रास्ते पर लगी दुकान पर कंबल खरीददती महिलाएं।

अमोनिया से पुराना आलू नया कर बाजार में बिका

कलेक्टर-जिला खाद्य अधिकारी को जांच के निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के 12 मामलों में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है। पहला मामला राजधानी भोपाल में अमोनिया से रातभर में पुराने आलू को नया बनाकर 60 रूपए किलो में बेचने का है। मामले में मप्र मानव अधिकार आयोग ने संज्ञान लेकर कलेक्टर और जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही जन स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए तत्काल की गई कार्यवाही के संबंध में रिपोर्ट भी तलब की है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, भोपाल शहर में अब तक जहां फलों को पकाने, पैदावार बढ़ाने और सब्जियों को अधिक समय तक ताजा रखने के उद्देश्य से केमिकल का प्रयोग किया जाता था, वहीं अब अधिक मुनाफे के लालच में कारोबारी बाजार में खुलेआम जहर बेच रहे हैं। ताजा उदाहरण बाजार में बिक रहे नए आलू का है। जो केमिकल की मदद से तैयार किया जा रहा है। 40 रुपए किलो बिकने वाले आलू को अमोनिया केमिकल से एक ही रात में तैयार किया जा रहा है। ऐसा करने से कारोबारियों का मुनाफा तो दोगुना हो रहा है, लेकिन लोगों की सेहत खराब हो रही है। यानी 40 रुपए में बिकने वाला सस्ते से सस्ता पुराना आलू 14 घंटे में नया आलू बना दिया जाता है। जिसे दुकानों पर 60 रुपए किलो के भाव से बेचा जा रहा है।

गुरूकुल में निःशुल्क शिक्षण और विभिन्न गतिविधियां

हिरदाराम नगर। अर्श वुमेन एंड एनवायरनमेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा गुरुकुल का शुभारंभ किया गया। यह एक निःशुल्क शिक्षण सेंटर है, जो स्कूल के बच्चों को निःशुल्क कोचिंग प्रदान करता है, साथ ही बच्चों को अन्य गतिविधियों में आगे बढ़ाने के लिए उन्हें चित्रकला, नृत्य, गायन, योगा, सेल्फ डिफेंस जैसी गतिविधियाँ करवाता है। गुरुकुल का उद्देश्य महिला शिक्षा को मजबूत बनाना और बच्चियों को शुरू से ही सभी गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ बनाना है। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह एक पहल है और भविष्य में संस्था द्वारा ऐसे अन्य और भी केंद्र खोले जाएंगे, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। गुरुकुल में स्कूल के बच्चों के अलावा ऐसे बच्चों को भी जोड़ा गया है, जिनकी पढ़ाई किसी कारण से छूट गई थी। सेंटर के माध्यम से उन्हें शिक्षा से दोबारा जोड़ा गया है। शुभारंभ के दौरान संस्था की ओर से महिमा द्विवेदी, शिवम गोहदिया, सतीश कुशवाहा, शिवांश गुप्ता, विकास अहिरवार, सावित्री, छाया सक्सेना, कार्तिक वर्मा उपस्थित रहे।

सहायक उपनिरीक्षक की कार से घसीटकर की हत्या, आरोपी को आजीवन कारावास, 7 हजार का जुर्माना भी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सहायक उपनिरीक्षक की कार से घसीटकर हत्या करने वाले आरोपी मयंक आर्य को न्यायालय ने प्रकरण में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश प्रदीप कुमार बरकडे की अदालत ने सुनाया है। न्यायालय ने आरोपी पर विभिन्न धाराओं में सात हजार रूपए का जुर्माना भी लगाया है।?मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक राजेंद्र उपाध्याय, वंदना परते द्वारा की गई है। उल्लेखनीय है कि आरोपी कार से करीब एक डेढ किलोमीटर तक आरोपी भिलाला को घसीटे रहे थे। इस दौरान एक राहागीर ने मोटरसाइकिल से आरक्षक के साथ कार का पीछा किया, लेकिन कार चालक ने कार नही रोकी थी। कमला देवी स्कूल के पहले उमर टेडर्स दुकान के सामने भिलाला नीचे रोड पर गिर गये और कार चालक कार को लेकर भाग गए। इस घटना में भिलाला को गंभीर चोटें आई और अस्पताल में ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। पुलिस थाना निशातपुरा मे पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक अमृतलाल भिलाला जिनकी ड्यूटी 16 जून 2018 की शाम बेस पाईज के सामने 80 फिट रोड पर ड्यूटी पाईट थी। जहॉ पर अमृतलाल भिलाला शाम करीब सा? सात बजे पर खडे होकर संदिग्ध लोगो व वाहनों की चौकिंग कर रहे थे, तभी एक सफेद रंग की मारूति अल्टो कार बेस्ट प्राइज तिराहे के तरफ से 80 फिट रोड तरफ से आती दिखी। इसमें बैठे लोग संदिग्ध हालत मे दिखे तो उनके द्वारा कार के चालक से कार रोकने का इशारा किया। कार चालक ने कार की स्पीड बढा दी और जान से मारने की नियत से सामने टक्कर मार कर, कार लेकर भागने लगा तभी भिलाला कार के नीचे फंस गये। कार चालक तेजी से कार भगाता रहा और भिलाला रोड पर घिसटते रहे।

महेश श्रीवास्तव कायस्थम संस्था के संरक्षक बने

भोपाल। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार, जाने-माने लेखक, साहित्यकार, चिंतक श्री महेश श्रीवास्तव कायस्थ समाज में वैचारिक गतिशीलता लाने, विचार मंथन और चिंतन के लिए गठित कायस्थम भोपाल ,मध्य प्रदेश के संरक्षक होंगे। महेश श्रीवास्तव ने संस्था को संरक्षक के लिए अपनी सहमति प्रदान की है। इसके साथ ही कायस्थम संस्था में 25 सदस्यीय सलाहकार मंडल भी घोषित किया गया है । कायस्थम के अध्यक्ष प्रलय श्रीवास्तव के अनुसार सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी मनोज श्रीवास्तव, अजातशत्रु श्रीवास्तव, प्रदीप खरे, रजनीश श्रीवास्तव, आईएएस ओम प्रकाश श्रीवास्तव, एवं दीपक सक्सेना के अलावा रेलवे मंत्रालय के पूर्व संचालक एवं अखिल भारतीय सूचना सेवा के सेवानिवृत अधिकारी अनिल सक्सेना, पूर्व संचालक जनसंपर्क विभाग अनिल माथुर, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. निर्भय श्रीवास्तव, डॉ. विजया ब्यौहार, डॉ. एस .के. सक्सेना, डॉ. आर.के .श्रीवास्तव, प्रसिद्ध उदघोषक डॉ. सुभाष सक्सेना, समाजसेवी सतीश रायजादा, वरिष्ठ अधिवक्ता शउमेश निगम, व्यवसायी नेहा सिंह, सेवानिवृत अधिकारी एवं व्यवसायी विनोद प्रधान, पत्रकार मलय श्रीवास्तव, राजेश चंचल ,मनीष श्रीवास्तव, शिवकुमार विवेक,दिनेश निगम त्यागी, गोपाल श्रीवास्तव, देशदीप सक्सेना, अजय निगम को सलाहकार के रूप में शामिल किया गया है।

अंतर विद्यालयीन प्रतियोगिता

संस्कार प्रथम, सीएमएस द्वितीय व मिठी तृतीय रहा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो

संस्कार विद्यालय में अशासकीय शिक्षण संस्थान द्वारा इंटर स्कूल इंग्लिश स्पेलिंग कॉम्पिटिशन का अयोजन किया गया, जिसमें सोनिया पासी प्रमुख रूप से मौजूद थीं। प्रतियोगिता में दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान, क्राइस्ट मेमोरियल स्कूल ने द्वितीय एवं मिठी गोबिन्दराम पब्लिक स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कार के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में अंग्रेजी के प्रति रूचि बढ़ाना था। क्राइस्ट मेमोरियल के अध्यक्ष मैनिस मैथ्यूस ने कहा कि हमें इंग्लिश याद करने से, ज्यादा समझना जरूरी है। कार्यक्रम में शिक्षाविद विष्णु गेहानी ने कहा कि अंग्रेजी भाषा एक शुद्ध भाषा है, प्रत्येक शिक्षक को अपने विषय के नोट बनाने चाहिए और उसी हिसाब से बच्चों को पढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम में सीमा छत्तानी, लता पेसवानी, भारती चेलानी जज के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम के अंत में संस्कार संस्था के कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव ने आभार व्यक्त किया।

'सभी के कल्याण का भाव होता है भागवत कथा श्रवण में'

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

ईदगाह हिल्स कम्युनिटी हॉल में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के दूसरे दिवस पर कथावाचक मुकेशजी ने कहा कि आप कथा का श्रवण करना सौभाग्य से मिलता है। उन्होंने कहा कि सामान्य रूप से पानी डालकर नहाने को नहाना कहते हैं परंतु मन में भगवान को बिठाकर मन में भक्ति भाव से नहाने को स्नान कहा जाता है और ऐसे स्नान करने वाले व्यक्ति ही कथा में पहुंच पाते हैं। आप कथा में हमेशा तीन चीजों का ध्यान रखिए जब भी कथा में भगवान का जयघोष हो तो मुख को विराम नहीं लगाना है जब भी भगवान का जय घोष होता है तो इस कथा स्थल के आसपास जितने भी जीव जंतु बैठे रहते हैं उनका भी उदार हो जाता है मुकेश महाराज कथा ने कहा कि कथा में ऐसे भी कई प्रसंग आते हैं जिन पर आप झूम गाकर नाच कर भक्ति करते हैं आप जितना झूमेंगे आपके सर के ऊपर जितने भी पापों की गठरी होगी वह धीरे-धीरे नीचे गिरती जाएगी।

मेट्रो एंकर लखनऊ की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था कल्याणं करोति को दी सहयोग राशि

नेताजी की जयंती पर दिव्यांगों के लिए शिविर, जेएसएस करेगा सेवा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

लखनऊ की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था कल्याणं करोति, जो संत हिरदारामजी के सेवा दर्शन से प्रेरित होकर वर्ष 1982 में स्थापित हुई थी। दिव्यांगों की सेवा में अपनी अमूल्य भूमिका निभा रही है। हर साल संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित करती है, जिसमें उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अनेक सहायक उपकरण जैसे ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी आदि वितरित किए जाते हैं।

यह दिया जाएगा: जीव सेवा संस्थान ने संस्था के कार्यों में अपना योगदान देती है। 23 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले नेताजी की 128वीं जयंती पर शिविर के लिए जीव सेवा संस्थान ने एक लाख 91 हजार 200/- की सहायता राशि प्रदान की है। इस राशि के से दिव्यांगजनों को 05 ट्राइसाइकिल, 05 व्हीलचेयर, 05 बैसाखी और 25 सिलाई मशीनें दी जाएंगी।

45 लाख लाभांवित: बता दे जीव सेवा संस्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित एक संस्था है जिसने अपने सेवा कार्यों से अब तक 45 लाख से अधिक लोगों लाभांवित किया है। साथ ही जीव सेवा संस्थान प्रतिवर्ष से कल्याणं करोति के इस पुनीत अभियान में आर्थिक सहयोग देकर एक मजबूत साझेदारी का परिचय देती रही है।

पाकिस्तान के टुकड़े कर बंग्लादेश बनाया

कांग्रेसजनों ने याद किया इंदिरा गांधी को

देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेसजनों ने उन्हें याद किया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कार्यक्रम का आयोजन कर इंदिराजी के देश के लिए कामों को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि इंदिराजी ने अपने कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान को तीन बार पराजित कर अलग से बंग्लादेश का निर्माण किया। उन्होंने पूरी दुनिया को इस बात का अहसास करा कि भारत एक शक्तिशाली और ताकतवर देश है। उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी ने कहा कि इंदिरा जी के साहस और उनकी सूझबूझ से पूरे देश में महिलाओं के प्रति एक सम्मान बड़ा अटलजी ने उन्हें इंदिराजी को दुर्गा के नाम से संबोधित किया था। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन महेश गुरबानी ने किया तथा आभार रामभरोसे भगवानिया ने व्यक्त किया।

वर्तमान समय में एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के आसपास है जो दिल्ली की तरह 400 के पार जाना तय

वायु प्रदूषण को नहीं रोक पाई सरकार पराली की आग भी नियंत्रण से बाहर

हकीकत: निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर, सड़कें भी खराब

खराब सड़कों व धूल से पहले ही प्रदूषित थी हवा अब खेतों की आग से खड़ी हो गई नई परेशानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वातावरण में पहले से धूल जानलेवा बनी हुई थी अब खेतों में पराली जलाने के लिए लगाई जा रही आग ने वायु प्रदूषण को और गति दे दी है। मप्र तो मप्र, लेकिन इसकी लपटे दिल्ली तक पहुंच रही है। वायु प्रदूषण वाले पूरे माहौल से लोग परेशान है। यह स्थिति आगे और बिगड़ने वाली है।

अभी हवा में वायु प्रदूषण की स्थिति बताने वाला एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के आसपास है जो दिल्ली की तरह 400 के पार जाना तय है। इस पर राजनीतिक सियासत भी शुरू हो गई है। आप सरकार ने दिल्ली में प्रदूषण की वजह मप्र में पराली जलाने की घटनाओं को बताया है।

मप्र में इस समय युद्ध स्तर पर निर्माण कार्य चल रहे हैं, इनमें से 95 फीसद खुले में हो रहे हैं, जिनकी वजह से धूल वातावरण में फैली हुई है। दूसरी ओर सड़कें खराब है, जिन पर दौड़ रहे वाहनों के कारण भी वातावरण में धूल का माहौल है। उपर से ठंड का सीजन शुरू हो चुका है, जिसमें नमी है। विशेषज्ञों के मुताबिक नमी के कारण धूल के कण भारी हो रहे हैं जो निचले वातावरण में रहते हैं इसलिए वायु प्रदूषण बढ़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। आमतौर पर यह स्थिति गर्मी में भी रहती है लेकिन उस समय मौसम पूरी तरह शुष्क रहता है, जिसके कारण वायु प्रदूषण का अहसास नहीं होता।

पराली जलाने से खेतों को नुकसान

पराली जलाने के कारण खेतों की मिट्टी बर्बाद हो रही है, उर्वरा शक्ति पर विपरित असर पड़ा है। आसपास की वनस्पतियां बर्बाद हुई है। कीट–पंतगों की वातावरण में कमी होने लगी है। किसान यह बात समझ रहे हैं, उन्हें यह भी पता है कि पराली जलाते रहे तो नई मिट्टी बनने की प्रक्रिया पूरी तरह प्रभावित हो जाएगी। मप्र के नर्मदापुरम, बैतूल, भोपाल, हरदा, छतरपुर समेत कई किसानों ने पराली जलाना बंद कर दिया है। वह फसल की कटाई नीचे से कर रहे हैं ताकि खेतों में फसल के तने न छूटे। आमतौर पर तने छूट जाने के कारण कई बार नई फसल की बुवाई करने में दिक्कत होती है।

भाजपा नेता वीडी शर्मा ने दिल्ली सीएम से कहा- मप्र आ जाएं

वहीं इस मामले में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने खुलकर आरोप लगाए कि वहां पराली जलाने के कारण दिल्ली की आबोहवा बिगड़ी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि यहां की हवा दिल्ली की तुलना में कई गुना अच्छी है यदि आतिशी को अच्छी हवा में सांस लेनी हो तो वे मप्र आ जाएं।

10 हाथियों की मौत होने के बाद बांधवगढ़ के वन्य प्राणी डॉक्टर को हटाया

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 10 हाथियों की मौत के 22 दिन बाद वन्यप्राणी डॉक्टर नितिन गुप्ता को भी हटा दिया है। इसके पहले रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर गौरव चौधरी और एसडीओ निनामा को हटाया गया था। पूर्व के दो अधिकारियों को निलंबित किया गया था। डॉ. गुप्ता को केवल रिजर्व से हटाकर मुकुंदपुर भेजा गया है। उनकी जगह मुकुंदपुर सतना से वन्यप्राणी डॉ. राजेश तोमर को पदस्थ किया है। रिजर्व में 29 से 31 अक्टूबर के बीच 10 हाथी बीमार हो गए थे। जिनकी मौत हो गई थी। सूत्रों के मुताबिक इनमें से कुछ के इलाज में देरी हुई थी। इसकी वजह वन्यप्राणी डॉक्टर द्वारा समय रहते इलाज शुरू नहीं कर पाना बताया जा रहा है। जांच टीमों की जानकारी में आया कि डॉ. गुप्ता उस दौरान बाहर थे, सूचना के बावजूद भी जल्द नहीं पहुंचे थे हालांकि संबंधित अधिकारी ये आरोप मानने के लिए तैयार नहीं है।

कई अधिकारी निशाने पर: हाथी की मौत मामले में और भी कई अधिकारी निशाने पर बताए जा रहे हैं। इनमें डिप्टी डायरेक्टर, कुछ एसडीओ, रेंजर व मैदानी अमला शामिल है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में कमियों से जड़ी लगातार खबरें आ रही है लेकिन प्रबंधन कार्रवाही करने में महज खानापूर्ति कर रहा है।

राज्यमंत्री पटेल की फटकार संग्रहण क्षमता और मार्केटिंग में क्यों कमजोर?

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग के राज्यमंत्री लखन पटेल ने सहकारी दुग्ध संघों की कमजोर स्थिति पर अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। पूछा कि संग्रहण क्षमता और मार्केटिंग में क्यों पिछड़े। अधिकारियों के पास जवाब नहीं थे, कई तो एक–दूसरे का मुंह देखने लगे। राज्यमंत्री ने फिर कहा, ऐसा नहीं चलेगा। कमियां पूरी करो और नया प्लान लेकर आओ, क्योंकि मुख्यमंत्री खुद इस क्षेत्र में ध्यान दे रहे हैं।

राज्यमंत्री लखन पटेल ने सहकारी दुग्ध संघों के कामों की समीक्षा की

राज्यमंत्री पटेल ने मंगलवार को दुग्ध संघों के कामों की समीक्षा की थी। असल में कहने को तो मप्र के सहकारी दुग्ध संघ 35 साल पुराने हैं लेकिन इन संघों से नई–नई निजी कंपनियां आगे निकल गई, जो कि बाद में मप्र आई थी और ये कमजोर प्रबंधन के कारण जहां के वहां रह गए। जबकि केंद्र व राज्य ने इन पर जमकर रुपये लूटाए थे।

अब मोहन सरकार इन सहकारी दुग्ध संघों को आम नागरिकों, युवाओं और किसानों के लिए उपयोगी बनाने के लिए जुटी है। जिसका मकसद नागरिकों को सस्ता दूध, युवाओं को इस क्षेत्र में रोजगार व स्वरोजगार और किसानों को दुग्ध उत्पादन में लाभ दिलाना है। ये सहकारी दुग्ध संघ दूध के संग्रहण, प्रोसेसिंग, विपणन से जुड़े कामों में बहुत पीछे है। मंत्री ने बताया कि समीक्षा में उन्होंने इन्हीं विषयों पर जोर दिया। यह भी कहा कि जो सहकारी दुग्ध संघ घाटे में है, उन्हें फायदे में लाने के प्रयास तेज कीजिए।

बैठक में प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव, एमपी स्टेट को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन के अधिकारी व सभी सहकारी दुग्ध संघों के सीईओ मौजूद थे।

मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि जिला अस्पतालों, कलेक्टर कार्यालयों समेत नागरिकों के आवागमन से जुड़े सरकारी कार्यालयों में सहकारी दुग्ध विक्रय बूथ खोले। इनके जरिए दूध व उससे बने उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा दें। महिला स्व-सहायता समूह को सहकारी दुग्ध संघों से जोड़ा जाए, दुग्ध उत्पाद केंद्रों के लिए बनाए बूथों को आकर्षक बनाएं। दुग्ध से बने अन्य उत्पादों की संख्या बढ़ाएं, नए रूट तलाशें, ऐसे शहरों व कस्बों तक जाएं, यहां सहकारी सेक्टर कमजोर है। प्रभावी विपणन तकनीक का उपयोग करें। आगामी 1 वर्ष के लिए कार्य-योजना बनाकर काम शुरू करें।

ग्रामीण विकास उत्सव, उत्पादों और कारीगरों के प्रोत्साहन का प्रभावी मंच: राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ग्रामीण विकास उत्सव, देश भर के कारीगरों और प्रसिद्ध उत्पादों के प्रोत्साहन का प्रभावी मंच है। ऐसे आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल श्री पटेल नाबार्ड द्वारा भोपाल हॉट बाजार में आयोजित ग्रामीण विकास उत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 19 से 27 नवम्बर तक आयोजित हो रहे ग्रामीण विकास उत्सव का फीता काटकर शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने विगत 6 वर्षों से देशभर के कारीगरों के प्रोत्साहन के लिए उत्सव का आयोजन करने पर नाबार्ड को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नाबार्ड ऐसे आयोजनों का व्यापक और सघन स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। राज्यपाल श्री पटेल ने स्थानीय मीडिया से भी अपील की कि देश के कारीगरों के उत्पादों के प्रचार-प्रसार में भरपूर सहयोग करें।

संपादकीय

नतीजों पर निगाहें

आज झारखंड में दूसरे चरण की बाकी 38 सीटों और महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है। दोनों राज्यों में चुनाव प्रचार सोमवार शाम को थम गया था। लेकिन महाराष्ट्र जैसे बडे राज्य की चुनावी लड़ाई को इस बार बेहद खास माना जा रहा है। देश के समृद्ध और विकसित राज्यों में गिने जाने वाले महाराष्ट्र में सत्ता की कमान किसके हाथों में आती है, इस पर यूं भी सबकी नजरें टिकी रहती थीं, लेकिन इस बार बात सिर्फ इतनी ही नहीं है। पिछले बार 2019 में विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद जिस तरह की उखाड़-पछाड़ महाराष्ट्र की राजनीति में दिखी, उसने न सिर्फ प्रदेश के प्रमुख राजनीतिक दलों का स्वरूप बदल दिया और प्रमुख राजनीतिक परिवारों की साख पर सवाल खड़ा कर दिया बल्कि राज्य के आम मतदाताओं के सामने भी विकल्पों की झड़ी लगा दी। महाराष्ट्र की उठापटक में राकांपा और शिवसेना को फाड हो गई। इसका असर न केवल इन चुनावों में उठ रहे मुद्दों पर बल्कि इसे उठाने के तरीकों पर भी दिख रहा है। चुनावी लड़ाई का स्वरूप इस मायने में भी बदला है कि लगभग हर विधानसभा क्षेत्र में बहुकोणीय मुकाबला हो गया है। दो शिवसेना और दो राकांपा के साथ ही कांग्रेस और भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी तो तय सीटों पर हैं ही, इन दलों के बागी प्रत्याशी भी कई जगहों पर मुकाबले को कठिन बना रहे हैं। कौन किस तरफ से किसके वोटों में कितनी सेंध लगाने वाला है, इसे लेकर हर खेमे में अनिश्चय और उलझन की स्थिति बनी हुई है। इस बार कोई भी ऐसा एक मुद्दा नहीं है, जिसके बारे में यह माना जा सके कि यह पूरे राज्य में सभी विधानसभा सीटों पर प्रभावी है। इस वजह से नारों को लेकर भी संदेह और असमंजस की स्थिति दिख रही है। भाजपा की तरफ से 'बटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' नारों को सबसे ज्यादा प्रमुखता दी गई, लेकिन खुद एनडीए खेमे में भी इस पर सर्वसम्मति नहीं बन सकी। अजित पवार ही नहीं, भाजपा के भी कई नेताओं ने इस नारे को अस्वीकार करने की बात कह दी। महाविकास आघाड़ी को इतना क्रेडिट जरूर दिया जा सकता है कि उसकी तरफ से महाराष्ट्र की अस्मिता को मूल मुद्दा बनाने की कोशिश में काफी हद तक एकरूपता दिखी है, लेकिन उसे इसमें कितनी सफलता मिली है, यह चुनाव नतीजों से ही पता चलेगा। सबसे बड़ी बात यह कि नतीजों से भी इस चुनावी रस्साकशी का अंत हो जाएगा, ऐसा निश्चयपूर्वक नहीं कहा जा सकता। कई जानकारों के मुताबिक नतीजे आने के ठीक बाद राजनीतिक गोलबंदी का एक और दौर देखने को मिल सकता है। यह दौर कितना तेज होगा और कितना असरदार रहेगा, यह इस बात से जाहिर हो सकता है कि जब नतीजे आयेंगे तो सरकार के गठन में सिर्फ तीन दिन शेष रहेंगे। यानि राजनीतिक तौर पर यदि किसी दल या गठबंधन को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो राजनीतिक जोडतोड के हालात कैसे बनेंगे यह कल्पना ही की जा सकती है। लेकिन झारखंड की राजनी?तिक फिजां की अनदेखी भी ठीक नहीं होगी,क्योंकि कांग्रेस, भाजपा,जेएमएम ने यहां भी पूरी ताकत झोंकी है। वादों के वंदनवार सजाए गए हैं। झारखंड में आदिवासी वोटों को साधने के लिये सभी दलों ने भरसक कोशिश की है। यहां भी वादों की बहार लाने के प्रयास किये गये हैं। यहां सत्तारूढ जेएमएम सरकार को अपनी साख बचाना है और अपने कामकाज का इम्तिहान देना है। लेकिन असल इम्तिहान तो मुख्यधारा के दलों,उनकी नीतियों और चेहरों का भी है।

संसार की सबसे बड़ी शक्ति नारी का यौवन और सुन्दरता है।
-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1815- यूरोप में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए रूस, प्रशिया, आस्ट्रिया और इंग्लैंड ने गठबंधन किया।
- 1829- रूस के निकोलायेव और सेवेस्तोपोल क्षेत्र से यहूदियों को निकाला गया।
- 1866- अमेरिका के वॉशिंगटन में हावर्ड विवि की स्थापना।
- 1917- यूक्रेन गणराज्य घोषित।
- कलकत्ता (अब कोलकाता) में बोस अनुसंधान संस्थान की स्थापना।
- 1942- ब्रिटिश सेना ने लीबिया की राजधानी बेनगाजी पर दोबारा क़ब्ज़ा किया।
- 1945- जापान का अमेरिका के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण एवं द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति।
- 1949- इजरायल में यहूदियों की संख्या दस लाख हुई।
- 1955- पॉली उमरीगर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत की ओर से पहला दोहरा शतक लगाया।
- 1968- अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
- 1981- अफ्रीकी देश बुरुंडी में संविधान अंगीकार किया गया।
- 1985- माइक्रोसाफ्ट विंडोज 1.0 जारी हुआ।
- 1994- अंगोला सरकार और यूनिटा विद्रोहियों के मध्य 19 वर्ष से जारी संघर्ष की समाप्ति के लिए लुसाका में शांति संधि सम्पन्न।
- 1997- अमेरिकी अंतरिक्ष शटल यान कोलम्बिया फ़्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केन्द्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित।
- 1998- अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जारया का पहला माड्यूल जारी।
- 2002- अटलांटिक महासागर में स्पेन के तट से करीब 150 मील दूर बहामा जा रहा प्रेस्टीज तेल टैंकरडूबा।
- 2003- तुर्की के इस्ताम्बल में हुए बम विस्फोट में ब्रिटेन के महावाणिज्य दूत सहित 27 लोगों की मृत्यु।
- 2007- पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय व प्रान्तीय असेंबलियों के चुनाव का कार्यक्रम घोषित किया।
- 2008- मालेगाँव धमाके मामले में गिरफ्तार सभी 10 आरोपियों पर मकोका लगया गया।

निशाना

बस थोड़ा सा इंतजार!

-कृष्णेन्द्र राय

अपने अपने ढंग से ।
शब्दों को पिरोया ।।
बस थोड़ा सा इंतजार ।
क्या खोया क्या पाया ।।
छूटे तीखे बाण ।
ना कोई भी कम ।।
दिया बराबर उत्तर ।
ना इसका है गम ।।
आएगा परिणाम अब ।
है सबको ये इंतजार ।।
मान रहे हैं सारे ।
अपनी ही बहार ।।
तय किसी की हार ।
और किसी की जीत ।।
होगा जल्द खुलासा ।
किससे किसकी प्रीति ।।

पुरुषों के अस्तित्व एवं सुरक्षा की मांग क्यों उठने लगी?

■ ललित गर्ग

दुनिया में अब महिला दिवस की भांति पुरुष दिवस प्रभावी रूप में बनाये जाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। अब पुरुष भी अपने शोषण एवं उत्पीडित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की ही भांति अब पुरुषों पर भी उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की बात की जा रही है। महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। पहला अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 1999 में 19 नवंबर को डॉ. जेरोम टीलकसिंह ने त्रिनिदाद और टोबैगो में मनाया था। पुरुष दिवस दुनिया के 30 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'सकारात्मक पुरुष रोल मॉडल' है। यह ऐसा एक वैश्विक उत्सव है जो पुरुषों के सकारात्मक योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य, कल्याण और लैंगिक समानता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह दिन पुरुषों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाली चर्चाओं और कार्यों को बढ़ावा देने, सकारात्मक रोल मॉडल को प्रोत्साहित करने और अधिक समावेशी समाज की वकालत करने का अवसर प्रदान करता है।

कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक

जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं।

आज का पुरुष सिर्फ खुद को नहीं बल्कि महिलाओं के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ता है। वह यह सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें भी आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें व उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। यह परिवर्तन आज सभी इंडस्ट्री जैसे मीडिया, हॉस्पिटैलिटी, बैंकिंग, उद्योग, व्यापार आदि में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जहां महिलाएं शीर्ष पदों पर काम कर रही हैं। सिर्फ यही नहीं पुरुषों को अब महिलाओं के नेतृत्व में कार्य करने में भी झिझक नहीं महसूस होती। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इस दिवस को मान्यता देते हुए इसकी आवश्यकता को बल दिया और पुरजोर सराहना एवं सहायता दी है। एक तरफ जहां महिलाएं सशक्त हो रही हैं, वहीं पुरुषों की भी छवि समाज में बदलती जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व की बात करें तो पुरुषों को लेकर समाज में ढेरों रुढ़िवादी विचार थे, महिलाओं के शोषण एवं उसे दोयम दर्जा दिये जाने का आरोप उस पर लगता रहा है। जिनमें अब तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। पुरुष एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नारी जहां जीवन को परिपूर्णता देती है तो वहीं पुरुष ही इसका आधार है। नारी जन्मदात्री है तो पुरुष जीवन-निर्माता है।

भारतीय समाज में 'मर्द को दर्द नहीं होता' या फिर जब कोई पुरुष रोता है तो 'मर्द बनो और रोना बंद करो' जैसी बातें बोली जाती हैं। पिछले कई सालों से पुरुषों की समाज में संघर्षशील व कठोर छवि को प्रस्तुत किया गया है। लेकिन मुख्य सवाल है कि आखिर मर्द या पुरुष हैं कौन? जो घोड़े दौड़ाता है, शिकार करता है, या फिर जो अच्छे सूट में, चमचमाती कार में ऑफिस जाता है और घर पर भी अपनी तारीफ ही सुनना चाहता है। एक रौबदार छवि, आक्रांता, शोषक, असंवेदनशीलता एवं अत्याचारी वाली उसकी छवि क्या वास्तविक छवि है? असल में पिछले कुछ वर्षों में मर्द की परिभाषा में एक उदारवादी एवं संवेदनशील बदलाव देखने को मिला है। अब पुरुष या मर्द वो नहीं जो हमें अब तक पूर्वाग्रही रूढ़िवादी मानसिकता बताती हैं, बल्कि उससे कहीं ज्यादा वो है ऐसा आधारस्तंभ है जो जिम्मेदारी उठाता है, जो सिर्फ चमकदार जूते एवं कपड़े ही नहीं पहनता बल्कि समाज व देश को भी चमकदार बनाने के लिए आगे आता है, परिवार की जिम्मेदारियों को ढोता है।

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो पुरुषों और लड़कों की चुनौतियों और अनुभवों को पहचानने और उनका समाधान करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक पुरुषत्व और लैंगिक समानता के बारे में बातचीत को प्रोत्साहित करता है। पुरुषों के मुद्दों को संबोधित करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लैंगिक समानता एक सामूहिक प्रयास है, जिससे पुरुष और महिला दोनों को लाभ होता है, तथा पुरुषों की भलाई पर ध्यान देना इस यात्रा का एक अनिवार्य हिस्सा है। समाज रूपी गाड़ी को सही से चलाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि महिलाएं उसका विरोधी होने के बजाय सहयोगी बने। उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां के रूप में नारी को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता के रूप में पुरुष का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। महिला ममता का सागर है पर पुरुष उसका किनारा है। महिला से ही बनता घर है पर पुरुष घर का सहारा है। महिला से स्वर्ग है महिला से बैकुंठ, महिला से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पुरुष ही है। उन्हीं पुरुषों के सम्मान में पुरुष दिवस मनाया जाता है।

दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत भी घरेलू हिंसा की समस्या से जूझ रहा हैं। महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी तथ्य सामने आया है कि पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। लेकिन यह एक सच्चाई है कि अब महिलाओं की भांति पुरुष भी हिंसा, उत्पीडन एवं उपेक्षा के शिकार है। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं। बड़ा सच है कि जीवन में जब भी निर्माण की आवाज उठेगी, पौरुष की मशाल जगेगी, सत्य की आंख खुलेगी तब हम, हमारा वो सब कुछ जिससे हम जुड़े होंगे, वो सब पुरुष का कीमती तौहफा होगा, इस अहसास को जीवंत करके ही हमें पुरुष-दिवस को मनाने की सार्थकता पा सकेंगे।

(साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।)

दिल्ली में सांसों का संकट: आखिर प्रकृति से कितनी दूर चले आए हम..!

■ मोहन सिंह

दिल्ली में वायु प्रदूषण के चलते हाहाकार मचा हुआ है। देश की सर्वोच्च अदालत ने संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दीपावली के बाद प्रदूषण में लगातार वृद्धि हुई है लेकिन नवंबर मध्य के बाद जिस तरह के हालात 18 नवंबर को देखने में आए हैं वह भयावह है। दिल्ली के कई इलाकों में कोहरे और धुंध की चादर बिछी है। वायु गुणवत्ता यानी की एक्यूआई का स्तर कई इलाकों में 400 से 500 पार कर गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को बेहद गंभीर माना है और दिल्ली एनीआर में 12वी तक के स्कूल को बंद करने का आदेश दिया है जबकि राज्य और केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए तत्काल प्रभाव से कदम उठाने के लिए कहा है। दरअसल, वायु गुणवत्ता के लिहाज से भारत की राजधानी दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। हालांकि की दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की बात करें तो इसमें बिहार के बेगूसराय शहर का नाम पहले सामने आता है। स्विस संगठन की वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 में बताया गया है कि- वायु प्रदूषण गुणवत्ता में बांग्लादेश और पाकिस्तान के बाद भारत वायु गुणवत्ता में गिरावट के लिहाज से तीसरे पादान पर खड़ा है। फिलहाल पिछले पांच बार से दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक दिशा-निर्देश के मुताबिक भारत में लगभग 1.3अरब लोग- जो कुल आबादी का लगभग 96 प्रतिशत है, पी एम 2.5 सांद्रता का अनुभव करते हैं। पी एम-पार्टिकुलेट मैटर-वे छोटे-छोटे कण हैं,जो वायु में मौजूद रहते हैं और जिन्हें हम नग्न आंखों से नहीं देख सकते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि दिल्ली में रहने वाला प्रत्येक नगरिक विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के लिहाज से सात गुना वायु प्रदूषण का खतरा झेल रहा हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानक 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है।

आमतौर पर दिल्ली के यमुना नदी में सफेद रंग का झाग दीपावली और छठ की पूजा के बाद दिखाई देता था लेकिन दिल्ली में वायु गुणवत्ता में निरंतर गिरावट के साथ - साथ यमुना नदी का बढ़ता प्रदूषण भी अब हर साल खतरनाक साबित हो रहा है। इस साल अप्रैल से यमुना में सफेद झाग दिखाई देने लगा। ऐसी स्थिति आमतौर पर बाढ़ उतरने और जमुना के जलस्तर में कमी की वजह से पैदा होती है। रही बात बढ़ते वायु प्रदूषण की, तो इसकी मुख्य वजह सड़कों पर गाड़ियों की बढ़ती संख्या, गाड़ियों के धुएं से निकलने वाली खतरनाक कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी गैसें भी हैं। इधर, पड़ोसी राज्यों मसलन हरियाणा और पंजाब के किसानों द्वारा धान और गेहूं की पराली जलाने की वजह से भी हर साल वायु गुणवत्ता की सेहत खराब हो जाती है। केंद्र और राज्य सरकारें हर साल अपनी जवाबदेही एक दूसरे पर डालते हए कुछ समय के लगभग चुप्पी साध लेती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन रिपोर्ट बताती है कि- वायु प्रदूषण की वजह से पूरी दुनिया में हर साल लगभग 70 लाख लोगों की मौतें होती हैं। अकेले भारत में लगभग 12 लाख लोग हर साल वायु प्रदूषण की वजह से असमय

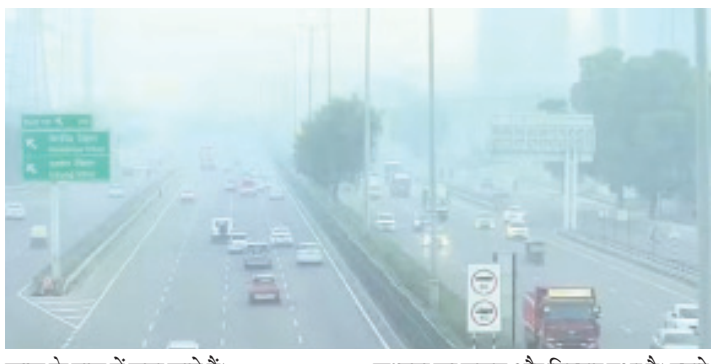

काल के गाल में समा जाते हैं।

फिलहाल दिल्ली और एनसीआर के आसपास लोगों को सांस लेने में दिक्कतें महसूस हो रही हैं। सुबह से ही कोहरे की चादर दिल्ली के आसमान में छाने लगती है। हवा की गुणवत्ता लगातार बद से बद्तर होती जा रही है। एक्यूआई 334 तक पहुंच चुका है। गले में खराश आंखों में जलन सांस लेने में तकलीफें और सांस सम्बन्धी कई अन्य बीमारियां दिल्ली वासियों का जीना मुहाल कर रखा है। देश के दिल कहे जाने वाले दिल्ली में देश के कोने से कोने से रोजी-रोटी की तलाश में आ बसें, लाचार-गरीब लोगों को सूझ नहीं रहा है कि- बढ़ती मंहगाई और निरंतर कम होती जा रही आमदनी में अपना पेट काटकर इन बीमारियों का कैसे सामना करें?अब केंद्र और दिल्ली सरकार के दरवाजे पर गुहार लगाने के अलावा दूसरा उपाय क्या है - कभी यमुना दिल्ली के लाल किले की दहलीज तक दस्तक देती थी। आज अपने सूरत-ए-हाल पर रो रही है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि नदियों के तट पर ही भारतीय सभ्यता का सृजन और विस्तार हुआ है। हमारे शरीर के धमनियों में बहने वाले खून की तरह नदियां सृष्टि काल से हमारे जीवन की तारणहार -खेवनहार और जीवनधारा रही हैं। औद्योगिक विकास की मौजूदा प्रणाली हमें इस जीवन धारा से लगातार वंचित और बेदखल कर रही है। आज हमारे रहन -सहन का ढंग बदल गया है। हम दोष जलवायु परिवर्तन को दे रहे हैं, लेकिन अपने आपको बदलने के लिए हम बिल्कुल तैयार नहीं हैं।आलम यह है कि हम सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया की अन्य सभी खबरों से हर वक्त बाख़बर हैं, पर अपने पास की नदी की रूलाई हम कहां सुनते हैं?

वैदिक परंपरा से लेकर सुकरात पूर्व ग्रीक दर्शन में पांच महाभूतों से निर्मित इस विश्व के संरक्षक -संवर्धन के प्रति हम सदैव सचेत रहे हैं। पृथ्वी, आकाश, जल , वायु और अग्नि के सरंक्षक उपायों तथा उनके कार्य पद्धतियों का विस्तार से अध्ययन और जीवन में उनके महत्व को भी हम गहराई से चिन्तन-मनन करते रहे हैं।

तैत्तिरीय उपनिषद् में बताया गया है कि कैसे पदार्थ ऊर्जा से आकाश, आकाश से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से जल, जल से पृथ्वी, पृथ्वी से वनस्पतियां, वनस्पतियों से अन्न, अन्न से मानव जीवन का सत्व निर्मित होता है। तैतरीय उपनिषद् कहा गया है -'वायुः मूलं वायुः मध्यम वायुः अंतम्' अर्थात् वायु ही उत्पत्ति की आदि-मध्य और अंत अवस्था है। मध्य अवस्था में वायु प्राण रूप में सभी प्राणियों में अवस्थित होता है। वायु की अंतिम अवस्था में सभी जीव जंतु और प्राणियों का अंत हो जाता है। बृहदारण्यक उपनिषद् में 'वायु:वै प्राणः' अर्थात् वायु ही प्राण है। इस मंत्र में प्राण तत्व को सर्वोच्च और सर्वव्यापी बताया गया है। ग्रीक दर्शन में सुकरात के पहले एनैक्सिमिनिस(ई पू 529 या ई पू 548) सभी चीजों की उत्पत्ति वायु से मानते है। उन्होंने अनुभव किया कि उनके अंदर की वायु -जो उन्हें चला रही है, वहीं जीवन है। वे तर्क दते है कि-भीतर की वायु , बाहर की वायु का एक अंग है। और यहीं इस जगत् की उत्पत्ति का मूल कारण है। उनके शिष्य डायोजिनीज भी वायु तत्व को ही मुख्य मानते हैं। उसे शक्ति और बुद्धि से समन्वित करते है।

वे तर्क देते है कि-आद्रता के प्रति सूर्य का आकर्षण और लोहे के प्रति चुंबक के आकर्षण में भी श्वास -प्रश्वास की क्रियाएं ही कार्य करती है। इस पद्धति का महर्षि पतंजलि के प्राणायाम से कितनी संगति है। पाईथागोरस- जिनके बारे में कहा जाता है कि - 'फिलोसॉफी' शब्द का पहली बार प्रयोग उन्होंने ने ही किया। वे कहते है कि -'दार्शनिक वहीं है, जो लोभ और अहंकार त्याग कर प्रकृति का अध्ययन करता है।' भारतीय चिंतन परंपरा में आकाश, वायु और आत्मा को अमारता का दर्जा हासिल है। हमारे धार्मिक कार्यों में भी जल, पेड़ -पौधों, नदियों - सरोवरों की रक्षा करने, उन्हें किसी भी तरह से क्षति नहीं पहुंचाने कीअवधारणा को पूजा - आराधना, और पाप-पुण्य की भावना से जोड़ने के पीछे भी दरअसल उनके संरक्षण का उपाय ही है। फिर क्या वजह है कि हजारों साल से- हर बारह साल के बाद लगने वाले महाकुम्भ के बाद पर्यावरण प्रदूषण को लेकर उतनी हाहाकार कभी नहीं मचती, जितनी हर साल, जाड़े का मौसम शुरू होते ही और खासकर छठ और दीपावली जैसे पवित्र हिंदू त्योहारों के बाद भारत की राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता और यमुना में जल की कमी और लगातार प्रदूषित होते जा रहें जल को लेकर चिकचाक्य शुरू हो जाता है।

यह हमारे आधुनिक जीवन शैली में आ रहें बदलाव का नतीजा तो है ही, साथ-ही-साथ प्रकृति की साझी विरासत को बेरहमी और लापरवाही से और वह भी सिर्फ अपने लिए शोषण का भी परिणाम है।इस लिए मशहूर शायर बशीर बद्र हमें आगाह करते है कि-'नदी के किनारे के रहवासियों को बशीर बद्र की इस हिदायत पर जरूर गौर करना चाहिए। अगर हम अपनी सभ्यता को बचाये रखते हुए और जिन्दा रहना चाहते तथा भावी पीढ़ी को - जैसी भी हों, कुछ बची-खुची विरासत सौंपना चाहते हैं।

(साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।)

तिनका सामाजिक संस्था के खिलाड़ियों ने जीते कराटे प्रतियोगिता में मैडल

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विगत दिनों राज्य विधालयीन कराटे प्रतियोगिता का आयोजन मध्य प्रदेश के इन्दौर में आयोजित हुआ। जिसमें हरदा जिले की तिनका सामाजिक संस्था के 16 खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

14 वर्ष बालिका श्रेणी में मोहिनी मल्हारे ने स्वर्ण पदक जीता, प्रियांशी गौर और अंतिमा गौर ने कांस्य पदक अर्जित किए। 14 वर्ष बालक श्रेणी में अनिकेत भबरे ने स्वर्ण पदक जीता। वाही 17 वर्ष बालिका वर्ग में आशिन खान ने स्वर्ण पदक जीता, राधिका ओनकर ने रजत पदक जीता. 17 वर्ष बालक वर्ग में आदर्श मल्हारे ने कांस्य पदक जीता. 19 वर्ष बालिका में महिमा मरकाम ने कांस्य पदक अर्जित किया. फरहान खान ने 19 वर्ष बालक वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

खिलाड़ियों ने बताया विगत कई वर्षो से खेल सामग्री के अभाव में और खेल मैदान के लिए टीम को संघर्ष करना पड़ रहा था. इस अभाव से हार का सामना करना पड़ रहा था इस वर्ष अमित भारतीय द्वारा तिनका सामजिक संस्था को खेल

सामग्री प्रदान किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप अब खिलाड़ी अधिक मैडल हासिल कर पा रहे है।

विजेता खिलाडियों का पुष्प हारों से हुआ भव्य स्वागत

कराटे प्रशिक्षक अनुपम सांगुल्ले ने बताया कि गौतम कुशवाह, प्रगति चावड़ा, असफिया अली और मोहित नागर पदक जीतने से चूक गए, लेकिन उनका प्रयास सराहनीय रहा। विजेता खिलाडियों का नगर आगमन पर पुष्प हार से भव्य स्वागत हुआ साथ ही डोल तासे पर खिलाडी व परिवार के लोग थिरके इस उपलब्धि पर तिनका संस्था के अध्यक्ष रितेश तिवारी, मना मंडलेकर एवं मार्गदर्शक निधि शर्मा, पूजा ग्रोवर, स्वाति मानकर, श्रद्धा सिसोदिया, सलिल कुमार, सैंड्रा कुमार, उल्हास बेरागकर और सतेंद्र पांडे ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। यह जीत तिनका संस्था के खिलाड़ियों को और अधिक ऊर्जा प्रदान करेगी और वे राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित होंगे ।

संघ के जोनल महामंत्री अशोक शर्मा ने लगाए आरोप

'लाल झंडा यूनियन बनी व्यापारी, कई बड़े पदाधिकारी कमाई कर भर रहे हैं अपने घर'

इटारसी , दोपहर मेट्रो

4 दिसंबर से 6 दिसंबर तक पूरे भारत में रेल कर्मचारियों के बीच यूनियन की मान्यता के चुनाव बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह चुनाव बहुप्रतीक्षित हैं क्योंकि 13 साल बाद दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय से यह मान्यता चुनाव हो रहे हैं। इस चुनाव में हमारे तीनों मंडलों में वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ पूरी ताकत से उतर रहा है। इस चुनाव में कुछ छुटपुट यूनियनें भी पैदा हो गई हैं जो मजदूर आंदोलन को कमजोर करना चाहती हैं। ये ऐसी यूनियनें जिनका रेलकर्मियों के हितों में संघर्ष करने का कभी कोई इतिहास नहीं रहा है वे रेलकर्मियों से मत की उम्मीद कर रही हैं।

उक्त विचार वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के जोनल महामंत्री अशोक शर्मा ने पत्रकार वार्ता में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रेलकर्मी मतदाता बहुत समझदार हैं वे सब समझ रहे हैं कि कौन सा संगठन उन्हें ओपीएस दिलाने के लिए लड़ रहा है और कौन यूपीएस-एनपीएस के साथ खड़ा हो

गया है। आज लड़ाई व्यापारी यूनियन और सरकार से है। व्यापारी यूनियन का मूल काम आज रेलकर्मियों के पैसों का दुरुपयोग कर सोसाइटी खोलना, गैस एजेंसी खोलना, बारात घर खोलना और ग्रॉसरी के डिपार्टमेंटल स्टोर खोलना रह गया है। इन संस्थानों से अपना घर भरना ही लाल झंडा यूनियन का मकसद रह गया है। 2004 के पहले इस यूनियन ने न्यू पेंशन स्कीम थोपकर 40 लाख कर्मचारियों के साथ धोखा किया और वर्ष 2024 में यूपीएस में भी लाल झंडा यूनियन ने कर्मचारियों को ठगा है। आज भी हजारों कर्मचारी एनपीएस-यूपीएस से संतुष्ट नहीं है।

संघ जब तक ओपीएस लागू नहीं करा देता है तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हमारी एक प्रमुख मांग आठवें वेतन आयोग की स्थापना की जाए। पिछले 9 वर्ष से हम सातवें वेतन आयोग को भोग रहे हैं बावजूद उसके वेज रिवीजन कमेटी का गठन नहीं किया गया है। एनएफआईआर ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि सातवें वेतन आयोग की रिकमंडेशन के अनुसार वेज रिवीजन कमेटी का गठन किया जाए। अभी एक परिवार को चलाने के लिए कम से कम 32 हजार 500 रुपए की आवश्यकता है। हमारी मांग है कि हर कर्मचारी के वेज में कम से कम 14 हजार रुपए की बढ़ोत्तरी की जाए। इससे पूर्व मुख्य शाखा अध्यक्ष प्रीतम तिवारी ने कहा कि लाल झंडा यूनियन रेलकर्मियों के हितों के साथ खिलवाड़ करती आई है। रेलकर्मियों ने इस बार ऐसे संगठन को कड़ा सबक सिखाने का मन बनाया है। प्राइवेट कंपनी के साथ गए कुछ लोगों का इस बार पिंडदान होना तय है जिसके बाद वो संगठन अब इटारसी में खड़ा नहीं हो पाएगा।

इस अवसर पर जोनल संरक्षक गीता पांडे, मंडल कोषाध्यक्ष भागीरथ मीना, मंडल सहसचिव संजय कटारे, मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य संजय कैचे, महाकालेश्वर कश्यप, भगवती वर्मा, आकाश यादव, राजेश गौर सौरभ पांडे सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

नर्मदापुरम के साहित्य सेवक करैया साहित्य मनीषी सम्मान से सम्मानित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नैनपुर जिला बनाओ संघर्ष समिति व्दारा गत दिवस घंसौर मे अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन एंव सम्मान समारोह आयोजित किया गया.आयोजन के अवसर पर रचनाकारों,साहित्यकारों, साहित्य सेवाओं मे उल्लेखनीय योगदान करने वालो को सम्मानित किया।

सम्मान समारोह मे नर्मदापुरम के साहित्य सेवक केप्टिन किशोर करैया को अनवरत साहित्य समागमो के माध्यम से नवोदितो को मंच देने,स्थापितो को शिखर पर पहुँचने तथा सतत साहित्यिक आयोजनो की दशको की प्रमाणिक अनुभव सिध्दता के परिप्रेक्ष्य में साहित्य मनीषी से अभिभूषित किया गया।

कवि सुभाष यादव ने बताया की श्री करैया नर्मदा आव्हान सेवा समिति के माध्यम से निरंतर साहित्यिक आयोजन कर रहे है।श्री करैया को सम्मानित होने पर क्षैत्र के साहित्यकारों,कवियों ने हर्ष जताकर बधाई दी है।

उल्लेखनीय है कि श्री करैया को पूर्व मे बालाघाट,जबलपुर, देवगढ़ ललितपुर,पुणे,रीवा, जबलपुर, हरदा, रायसेन, कोटा,शहडोल,मथुरा,बीना सहित अनेक शहरों मे साहित्य सेवाओं के लिए सम्मानित किया जा चुका है।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए

इंदिराजी ने साहस के साथ देश को रक्षा के क्षेत्र में शिखर पर पहुंचाया : चन्द्र गोपालमलैया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर नागरिकों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए. नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय इंदिरा चौक पर देश की आयरन लेडी इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदिरा प्रतिमा पर माल्यार्पण कर इंदिरा गांधी को याद किया।

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कपिल फौजदार ने कहा इंदिरा जी ने भारत को एक शसक्त देशो की श्रेणी में लाकर खड़ा किया। देश की प्रगति खासकर हरित क्रांति लाने मे इंदिरा जी का देश के प्रति बहुमूल्य योगदान रहा । चन्द्र गोपाल मलैया ने कहा इंदिरा जी ने दृढ इच्छा शक्ति और साहस के साथ देश को रक्षा क्षेत्र में शिखर पर लेकर गई। वरिष्ठ कार्यकर्ता मधुसूदन यादव ने कहा इंदिरा जी ने 1971 में भारत पाक युद्ध का नेतृत्व किया और भारत की इस युद्ध में विजय हुई. जिससे बांगलादेश का निर्माण हुआ। जिसने भारत और इंदिरा जी की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत किया । कार्यक्रम का संचालन नेता प्रतिपक्ष नपा अनोखी राजोरिया ने किया और आभार जिला कार्यवाह अध्यक्ष

फैज़ान उल हक़ ने किया। इस अवसर पर अजीत बिष्ट, विजेंद्र राजपूत , दीप सिसोदिया, आनंद काँसकार कमलेश बाथरे , लखन रघुवंशी, धीरज बहुत्रा, कैलाश बाबू , शेख पप्पू सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत भरलाय को आदर्श ग्राम बनाने को लेकर एक राय हुए ग्रामीण

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

जन अभियान परिषद के सेक्टर क्रमांक 1 के अंतर्गत नवांकुर संस्था परिवर्तन समाज कल्याण समिति, सिवनी मालवा तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, भरलाय के नेतृत्व में ग्राम पंचायत भवन भरलाय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में परिवर्तन समाज कल्याण समिति की संगीता मेहरा, संतोष पटवारे, सरपंच प्रेमकिशोर बनेठिया, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति से महेंद्र कुमार, लक्ष्मी समाज कल्याण संस्था की सुगना लौवंशी, अमर गार्गव, अभ्युदय लोक सेवा संस्थान से राहुल बाथव, सीएमसीएलडीपी परामर्शदाता ईश्वर विश्नोई, समाजसेवी महेश कटारे, योगेश कटारे, मनोरमा वर्मा, सुरेखा सराठे, संतोष व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

बैठक में ग्राम विकास से जुड़े हुए कई प्रमुख विषयों पर चर्चा करके रूपरेखा बनाई गई।

गांव को आदर्श ग्राम के रूप में स्थापित करने पर सभी उपयुक्त मापदंडों पर कार्य करने के लिए चर्चा की गई 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनवाने, इसके लिए परिवारों को प्रेरित करने तथा इस योजना का लाभ दिलाने, डेंगू जैसी गंभीर मौसमी बीमारी से निपटने के लिए गांव में बचाव के तरीके अपनाने पर चर्चा हुई। गांव में पूर्व में रोपित किए गए पौधों की देखभाल करने तथा भविष्य में भी नियमित वृक्षारोपण करने पर रूपरेखा बनाई गई। अगले माह पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाएगा ताकि भरलाय को जल्द से जल्द आदर्श ग्राम के रूप में स्थापित कर सकें।

वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई और इंदिरा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की

नर्मदापुरम। वरिष्ठ समाजसेवी ओम प्रकाश मालवीय के निवास स्थान पर वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया वरिष्ठ समाजसेवी अशोक दीबोलिया अरुण दीक्षित ललित यादव बद्री प्रसाद कौरव के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों द्वारा पुष्प माला अर्पित कर भारत मां की आन बान शान के लिए अपने प्राणों का निछावर करने वाली वीर योद्धा की स्मृति को शत-शत नमन करते हुए उन्हें याद किया. दीक्षित ने संबोधित करते हुए कहा कि खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी की वीर गाथा जब हम बचपन में पढ़ते थे तो हमें एहसास होता था की अंग्रेजों की गुलामी की जंजीरों से किस तरह महारानी लक्ष्मीबाई ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया इसी प्रकार श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने आतंकवाद के खिलाफ अपने मजबूत इरादों के साथ देश को बचाया.

एनसीसी कैडेट्स ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

नर्मदापुरम। 13 एम. पी. बटालियन एनसीसी नर्मदापुरम के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में मंगलवार को एनसीसी कैडेट्स के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का संदेश दिया गया.एनसीसी कैडेट्स के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को शानदार तरीके से प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का मनमोह लिया।

कैडेट्स के द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक धरोहर को अपने रंगारंग कार्यक्रम के माध्यम से प्रस्तुत किया गया.प्रतिभागी कैडेट्स को अंत में कमान अधिकारी के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का संयोजन एनसीसी कैडेट्स के द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के संचालन के दौरान समस्त एनसीसी अधिकारी एवं पी आई स्टाफ उपस्थित रहे।

अपनी जगह पर प्राइवेट टीचर रख अध्यापन कार्य कराने पर शिक्षक को किया निलंबित

सिवनी मालवा। सिवनी मालवा क्षेत्र के शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की मनमानी इतनी चरम पर हैं की वन ग्राम और आदिवासी क्षेत्र के शिक्षक शराब पी के स्कूल पहुंचते हैं तो कई जगह शिक्षकों ने अपने मनमाने तरीके से असिस्टेंट शिक्षकों की नियुक्ति कर रखी है उन्हें तो महीने में मिलने वाली 60 से 70 हजार रुपए महीने की तंखा से मतलब है। इस बात की कई दिनों से शिकायत उच्च अधिकारियों से की जा रही थी जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम शत्रुंजय प्रताप सिंह बिसेन ने सहायक शिक्षक, शासकीय प्राथमिक शाला खोकसर, सुरेश अतुलकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

जारी आदेशानुसार सुरेश अतुलकर द्वारा अपनी जगह पर प्राइवेट टीचर संगीता सवेरिया को रख संस्था में अध्यापन कार्य कराया जा रहा था। कार्यालय द्वारा कार्यालयीन सहायक संचालक अमित मांडेकर और बीआरसी नर्मदापुरम श्रीमती सपना गोलानी का संयुक्त जॉच दल इस घटना की जॉच हेतु गठित किया गया। प्रारंभिक रूप से जॉच दल को मोंके पर आशीष मेहरा पालक द्वारा मौखिक बयान दिया गया कि इस शाला में

मेट्रो एंकर कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बांटे गए प्रमाण पत्र..

विविधताओं से समृद्ध है नर्मदापुरम का पर्यटन : डॉ. चौकसे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में सतपुड़ा पर्वत श्रंखला में पर्यटन की अपार संभावनाएं है साथ ही नर्मदापुरम को एक जिला एक उत्पाद में पर्यटन को भी जोड़ा गया है। इसी तारतम्य में नए नए पर्यटन को भी खोजा और जोड़ा जा रहा है। मध्यप्रदेश पर्यटन और जिला प्रशासन के सतत प्रयास से क्षेत्र में आज पर्यटकों की संख्या करोड़ में पहुंच गई है।

महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन परियोजना के अंतर्गत भारतीय ग्रामीण सेवा के माध्यम से शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में टूरिस्ट फैसिलिटेर ट्रेनिंग प्रोग्राम पिछले 30 दिनों से चल रहा था। जिसके समापन अवसर पर डॉक्टर आर के चौकसे ने अपने उद्बोधन में कहा कि विविधताओं से समृद्ध है नर्मदापुरम का पर्यटन। धार्मिक, ऐतिहासिक, जलीय, प्राकृतिक, पर्वतीय, योग, जलीय खेल पर्यटन के साथ बायोडायवर्सिटी से भी समृद्ध है। समापन के अवसर पर डॉ. अमिता जोशी ने कहा कि पर्यटन के लिये पर्यटकों की सुविधा के प्रबंधन की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण ले रहे छात्र छात्राओं , शांति मांझी, मनोज टेकाम, सुरभि साहू, अपूर्वा वर्मा, गजेंद्र अहिरवार आदि विद्यार्थियों के समूह ने सिटी

वॉक करवाते हुए नर्मदापुरम् के ऐतिहासिक स्थलों का परिचय दिया। वही धर्मेंद्र कटारे ने कार्यशाला के अनुभव एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि कार्यशाला से व्यक्तित्व विकास तो हुआ ही साथ ही साथ पर्यटन से जुड़े हुए स्वरोजगार की भी जानकारी मिली। डॉ. हंसा व्यास ने कहा कि आज महिलाओं की सुरक्षा पहली आवश्यकता है। अतः महिलाओं की सुरक्षित पर्यटन परियोजना एक ऐसी महत्वपूर्ण योजना है जिसके माध्यम से हम महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं और महिला पर्यटक गाइड बनाकर यह सुरक्षा और अधिक मजबूत कर सकते हैं। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन एम ए इतिहास की छात्राएं वैष्णवी मांझी और पाखी माहुरकर ने किया। इस अवसर पर इतिहास क्लब और पर्यटन क्लब का भी गठन किया गया। इतिहास क्लब की अध्यक्ष पाखी माहुरकर , उपाध्यक्ष अमन मेहरा , सचिव वैष्णवी मांझी और सह सचिव चंद्रिका बनाई गई । पर्यटन क्लब की अध्यक्ष शांति मांझी , उपाध्यक्ष अपूर्वा वर्मा , सचिव धर्मेंद्र कटारे और सह सचिव कुणाल मालवीय को बनाया गया और इन्हें कार्यो की जिम्मेदारी और कर्मठता का संदेश प्राचार्य डॉक्टर आर के चौकसे ने दिया। कार्यक्रम में प्राचार्य और अतिथि डॉ. एस सी हर्णे , जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज ठाकुर , आई जी एस से जयपाल एवं श्री सोनवानी और गाइड ट्रेनर आशीष पांडे के द्वारा विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। डॉक्टर कल्पना विश्वास ने आभार व्यक्त करते हुए पर्यटन के महत्व को समझाया। कार्यक्रम का संयोजन नित्या पटेरिया चित्रकला विभाग के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा किया गया।

स्कूलों के निरीक्षण में गैरहाजिर शिक्षकों के नये-नये बहाने

नदारद शिक्षकों पर होगी कार्यवाही कारण बताओ नोटिस भेजा बीडीओ ने

■ क्या होगी कार्रवाही या सिर्फ खानापूर्ति

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में स्कूल शिक्षा विभाग के अमले द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया जा रहा है ओर अनुपस्थितों के खिलाफ कार्यवाहियां प्रस्तावित की जा रही है।

डीपीसी आरपी लखेर ने बताया कि मंगलवार को लटेरी विकासखण्ड के विभिन्न स्कूलों का एपीसी, बीआरसी, एमआरसी के द्वारा निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण में विकासखंड लटेरी में एपीसी दिनेश विश्वकर्मा, बीआरसी प्रमोद विश्वकर्मा एवं एमआरसी सतीश शर्मा द्वारा शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला बरखेड़ा घोषि का निरीक्षण 10:30 बजे किया गया शाला पूर्णता बंद पाई गई। इसी प्रकार समय 10:55 पर शासकीय प्राथमिक शाला रतनगढ़ भी बंद

खबर का असर

पाई गई। शासकीय माध्यमिक शाला सगड़ा का निरीक्षण किया गया जिसमें शाला प्रभारी राहुल वर्मा बीआरसी ऑफिस में यू-डाइस के कार्य के लिए गए हुए थे, कुमारी प्रियंका चौबे निरीक्षण करते समय उपस्थित हुई । अतिथि शिक्षक गोलू धाकड़ अनुपस्थित मिले शाला में कक्षा 1 से 8 तक 73 बच्चे दर्ज हैं मात्र 13 बच्चे उपस्थित थे।

एनएएस का रिकार्ड संधारित नहीं पाया गया। वहीं एफएलएन की कक्षाओं का नियमित संचालन भी नहीं किया जा रहा है। शाला में पदस्थ फूल सिंह कुशवाहा को एफएलएन के बारे में कोई ज्ञान नहीं है, जबकि इन्हीं के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। शासकीय प्राथमिक शाला बलरामपुर का निरीक्षण किया गया जिसमें एनएएस की कोई तैयारी नहीं पाई गई जन शिक्षक संतोष सक्सेना के द्वारा एनएएस मॉडल 2 एवं 3 एवं प्रपत्र 1,2 शाला को उपलब्ध नहीं कराई गए।

जिनको पद लिख कर बनना था विधायक या अधिकारी, वे मांज रहे स्कूल के बर्तन।

जनशिक्षक से मोबाइल पर पूछा गया तो बताया की और क्या तैयारी करवाऊंगा इससे अच्छी तैयारी में और नहीं करा सकता। शाला में छात्रों की पढ़ाई का स्तर कक्षा अनुरूप नहीं पाया गया। शासकीय प्राथमिक शाला उमरिया मीना का निरीक्षण किया गया जिसमें पाया कि शाला में एनएएस की कोई तैयारी नहीं करवाई जा रही है, एनएएस की तैयारी के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा उपलब्ध समय सारणी एवं ओलंपियाड की प्रश्न बैंक उपलब्ध नहीं पाई गई। शाला में छात्रों की बहुत कम उपस्थिति पाई गई, छात्रों का पढ़ाई का स्तर कक्षा के अनुरूप नहीं पाया गया। शासकीय माध्यमिक शाला चोपना का निरीक्षण किया गया जिसमें शाला प्रभारी अब्दुल सलीम खांन अनुपस्थित पाए गए एवं अतिथि शिक्षक अभिनव जैन और रेशमा खांन अनुपस्थित मिली। कक्षा 1 से 8 तक 40 बच्चे शाला में दर्ज हैं जबकि मात्र 11 बच्चे ही शाला में उपस्थित मिले एक ही कक्ष में कक्षा 1 से 8 तक बच्चों को बैठाकर अध्यापन कराया जा रहा था छात्रों का पढ़ाई का स्तर बहुत ही कमजोर पाया गया जबकि शाला में पांच शिक्षक पदस्थ हैं।

टीम के द्वारा विकासखंड लटेरी में बीपीएमयू की बैठक ली गई जिसमें डाइट आरके ठाकुर, बलवीर सिंह रघुवंशी, बीएसी, जनशिक्षक, एमआईएस, एमआरसी, एवं साक्षरता समन्वय उपस्थित रहे।

बीडीओ जारी किए कारण बताओ सूचना पत्र

विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किये गये कारण बताओं सूचना पत्र में लेख किया गया की मिडिया द्वारा समाचार में जन शिक्षा केन्द्र शहरखेड़ा में संचालित संस्थाओं में अनिमित्ताए पाई गई विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ने म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के 1,2,3 एवं नियम 7 का हवाला देते हुये अनुपस्थित पाये गये शिक्षकों एवं शाला में बच्चों से बर्तन मंजवाने, शाला में झाडू लगवाने, शाला समय पर शाला में अनुस्पस्थित पाये जाने पर सभी शिक्षकों से 2 दिवस में उत्तर देने का सूचना पत्र जारी किया। जिसमे एकिकृत 1. मा.शा. बड़ागावं की शिक्षिका बेबी राजपूत प्र.शि., 2. एकीकृत मा.शा. सेमरामेघनाथ के शिक्षकगण सोनाथ सिंह प्र.शि., वीरेंद्र शर्मा प्र.शि., शफीक खान प्र.शि., नीरज शर्मा अ.शि., अभिषेक यादव अ.शि., 3. प्रा.शा. टांडाचक से शिक्षिका रुकमनी अहिरवार अ.शि., 4. प्रा.शा. चेनपुरा से मुकुट बिहारी श्रीवास्तव प्र.शि., 5. प्रा.शा. गोपालपुर से प्रियंका पाटिल प्र.शि., हेमराज वर्मा प्र.शि., 6. मा.शा. छिरारी से बृजमोहन धाकड़ मा.शि., बेदिका मेहता अ.शि., 7. प्रा.शा. छिरारी से ज्ञानसिंह प्रजापति प्र.शि., भारती प्रजापति अ.शि., 8. एकीकृत मा. शा. टोकरा से ज्योति राजपूत प्र.शि., माधो सिंह अ.शि., शिवराज अ.शि., आदि को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया।

विकासखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी मेला हुआ आयोजित

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

स्थानीय जनपद शिक्षा केंद्र सिरोंज में विकासखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी मेले का आयोजन किया गया। जिसमें जैन जनपद शिक्षा केंद्र स्तर पर चयनित छात्राओं ने अपने मॉडल प्रोजेक्ट गीत और लघु नाटिकाओं का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी उमेश सोनी ने बताया कि यहां पर चयनित प्रतिभागियों को जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विकासखंड स्त्रोत समन्वयक ओम प्रकाश रघुवंशी बीएसई समस्त जन शिक्षक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में बीएसई जितेन श्रीवास्तव द्वारा आभार व्यक्त किया।

पंचायतों के उप निर्वाचन कार्यक्रम जारी

25 तक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए जाएंगे

सिरोंज। विदिशा मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतो के उप निर्वाचन 2024 उत्तरार्द्व हेतु कार्यक्रम जारी किया गया है जिसके अनुसार नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति का कार्य जारी है। जिसकी अंतिम तिथि सोमवार 25 नवम्बर नियत की गई है। नाम निर्देशन पत्र अंतिम तिथि तक प्रातः दस बजे से अपरान्ह तीन बजे तक संबंधित रिटर्निंग आफीसर के द्वारा प्राप्त किए जा रहे है।

उप जिला निर्वाचन श्रीमती मोहिनी शर्मा ने बताया कि विदिशा जिले में 15 नवम्बर की स्थिति में रिक्त त्रि-स्तरीय पंचायतो के उप निर्वाचन हेतु प्रक्रिया क्रियान्वित है। उन्होने बताया कि विदिशा जिले में एक सरपंच पद ग्राम पंचायत पबई में तथा 12 पंच पद के लिए नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति का कार्य राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार प्राप्त किए जा रहे है।

रिटर्निंग आफीसर – कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रौशन कुमार सिंह के द्वारा नियुक्त किए गए रिटर्निंग आफीसरो की जानकारी देते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा ने बताया कि संबंधित जनपद पंचायत क्षेत्र के तहसीलदार को रिटर्निंग आफीसर नियुक्त किया गया है। तदानुसार बासौदा जनपद पंचायत के लिए बासौदा तहसीलदार, संदीप कुमार जायसवाल को, इसी प्रकार ग्यारसपुर के लिए राजेन्द्र सेन को, कुरवाई हेतु संदीप शर्मा, सिरोंज के लिए संजय चौरसिया, लटेरी के लिए जगनप्रसाद सौर और नटेरन जनपद पंचायत के लिए नटेरन तहसीलदार आनंद कुमार जैन को रिटर्निंग आफीसर नियुक्त किया गया है।

डिप्टी डायरेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

सिरोंज । शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय में संभागीय डिप्टी डायरेक्टर इंजीनियर विपिन श्रीवास्तव टीकाकरण (गावी जिला) प्रभारी ने बी एम ओ ,बी पी एम, बी सी एम , सी सी एच , की समीक्षा की । डिप्टी डयरेक्टर के द्वारा मीटिंग में निर्देश दिए गए की सभी सुपरवाइजर फील्ड मॉनिटरिंग करना वा सपोर्टिंग सुपरवाइजर ऐप के द्वारा मॉनिटरिंग करना आशा ए एन एम की ड्यूटी लिस्ट सत्र से पहले बनी होनी चाहिए। यू विन पोर्टल पर शेषन प्रति 10 बजे चालू करना है वा 9 बजे तक सत्र पर एएनएम को पहुंचना है। प्रति दिन एएनएम को यू विन पोर्टल पर जिन बच्चों का वैक्सीनेशन हो गया है उनकी इंट्री यू विन पोर्टल पर करना है ।अगर किसी जगह एएनएम नही है वहा यू विन पोर्टल इंट्री सी एच ओ,को करना है अगर कोही भी ए एन एम सत्र पर लेट पहुंचती है तो उक्त दिनाक का पेमेट काटा जाएगा। अगर ग्राम में कोही भी बच्चा वैक्सीनेशन से छूटा मिलता है तो उक्त ग्राम की आशा आशा सुपरवाइजर एएनएम पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी की जयंती व पटवारी जन्मदिवस मनाया

सिरोंज। देश की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव विनोद सेन के नेतृत्व में मानव सेवा के रूप में मनाया गया गरीबी एवं असहाय जनों को भोजन कर कर मनाया सहयोग संस्था टॉकीज चौराहा सिरोंज इस अवसर विनोद सेन कई देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी देश की नहीं विश्व की नेता थि जिनके नेतृत्व में भारत ने नए अभियान ते किया थे जिन्होंने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर कर बांग्लादेश बनाया था श्रीमती गांधी को देश आयरन लेडी मानता था देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बने का उनको सौभाग्य था और मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जो की एक ऊर्जावान प्रदेश अध्यक्ष है उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश कांग्रेस आमजन को साथ लेकर जमीनी लड़ाई लड़ रही है जिससे आगामी समय में कांग्रेस को लाभ होगा और एक भ्रष्टाचार रूपी भाजपा की सरकार से प्रदेश के आमजन को छुटकारा मिलेगा आज प्रदेश जीतू पटवारी की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है निश्चित ही भविष्य में कांग्रेस की सरकार बनेगी जीतू पटवारी राहुल गांधी के सपनों को सरकार कर रहे हैं। इस अवसर पर डॉक्टर सुब्हान गौरी सादिक कुरैशी अंकित भार्गव आशीष जैन सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे।

दीपना खेड़ा को तहसील और सिरोंज को जिला बनाने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

सिरोंज। मंगलवार को दीपनाखेड़ा तथा बमोरीषाला क्षेत्र के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित नायब तहसीलदार ललित सक्सेना को देते हुए जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी ने कहा बमोरीषाला, दीपनाखेड़ा तथा आसपास के ग्रामों की दूरी सिरोंज की दूरी 50 किलोमीटर सेबी अधिक इसलिए इन ग्रामों के लोगों को यहां तक आने-जाने में परेशानी होती इसीलिए आम जनता के हित में दीपनाखेड़ा को तहसील का दर्जा दिया जाए तथा सिरोंज को जिला बनाया जाए। अभी विदिशा जाने में हम को 100 किमी का रास्ता तय करना पड़ता है गरीब वर्ग का व्यक्ति तो जा ही नहीं पता है सिरोंज जिला बनने पर सभी को आने-जाने में आसानी होगी सालों पुरानी मांग को पूर्ण किया जाए। ज्ञापन की प्रतिलिपियां सांसद-विधायक को भी भेजी है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे।

कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं को लेकर पुरानी बस स्टैंड पर दिया धरना

■ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ने वाले के विरुद्ध कार्यवाही करने की की मांग

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

मंगलवार को शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा किसानों की समस्याओं को लेकर पुरानी बस स्टैंड पर धरना दिया। जिसको संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने कहां कि हम गांधीवादी विचारधारा के लोग हैं पर हमारे किसी कार्यकर्ता पर उंगली उठाने और टिप्पणी करने की कोशिश कोई भी करे करेगा उसको मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा विधायक का नाम लिए बगैर चेतावनी देते हुए कहा हमारे कार्यकर्ता को उंगली दिखाने की कोशिश ना करें हमें भी गौडसे बनने में देर नहीं लगेगी हम गांधीवादी विचारधारा के लोग हैं संविधान में रहकर अपनी बात रखते हैं पर हमारा कार्यकर्ता किसने की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन करता है तो उसे पर इस तरह वीडियो बनाकर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है दोबारा से ऐसी गलती की तो मैं खुले मंच से चेतावनी दे रहा हूं विधायक जी हमारे किसी कार्यकर्ता पर कोई भी गलत टिप्पणी की तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे अगली बार घर पर ही धरना देंगे आज के किसान खाद ,बीज बिजली के लिए परेशान हो उनकी समस्या से दूर नहीं कर रहे है । रवि फसल की बोनी डीएपी खाद नहीं मिल रहा बीज के लिए भी परेशान हो रहा है बिजली के लिए रात-रात भर जगते हैं फिर भी लाइट नहीं मिल लूटने का काम बड़े पैमाने पर हो रहा है।

पुराने बस स्टैंड स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के नीचे धरना प्रदर्शन किया और महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में लेख किया है कि विजयपुर विधानसभा का उपचुनाव का मतदान 13 नवंबर को संपन्न हुआ उक्त मतदान के दौरान भाजपा नेताओं कार्यकर्ताओं एवं असामाजिक तत्वों ने मिलकर रात में गुवाहाटी गांव में बदमाशों ने दलित बस्ती में घुसकर तोड़फोड़ की तथा घरों में आज जाने की उनकी फसलों में आग लगाकर नुकसान पहुंचाया गया एवं गांव में स्थापित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति को भी तोड़ कर खंडित करदिया। गुवाहाटी गांव में आतंक के कारण भेद का वातावरण इस तरह निर्मित हो गया था कि ग्रामीण जान अपनी शिकायत लेकर थाने तक जाने में डर रहे थे और वह थाने भी नहीं पहुंच सके।

मेट्रो एंकर कलेक्टर के आश्वासन के बाद भी झोलाछाप डॉक्टरों की जांच के नाम पर लटेरी प्रशासन की रस्मअदायगी

नगर के कई कस्बों में धड़ल्ले से जान से खिलवाड़ कर रहे झोलाछाप!

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

लटेरी झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ प्रदेश सरकार के आदेश के बाबजूद लटेरी बीएमओ सहित प्रशासन भी निष्क्रिय बना हुआ है।पिछले कई दिनों से राज एक्सप्रेस में झोलाछाप डॉक्टरों की जांच के लिए कई बार खबरें प्रकाशित की जा रही है।लेकिन इनकी जांच की हिम्मत प्रशासन से लेकर बीएमओ तक नही जुटा पा रहे है।कोई ठोस कार्यवाही न किए जाने के कारण झोलछाप डॉक्टरों की तादाद कुकुरमुत्ते की तरह बढ़ती ही जा रही है वह लगातार मरीजों को मौत बांटने का काम कर रहे हैं।लटेरी प्रशासन सहित बीएमओ भी इसमें साझेदार बने हुए है। नगर लटेरी सहित ग्रामीण इलाकों में झोलाछाप डॉक्टरों की भरमार है दिनों दिन इनकी तादाद बढ़ती ही जा रही है, इनके पास न तो कोई डिग्री है न अनुभव और न ही लाइसेंस। इसके बाबजूद वह बेरोक टोक धड़ल्ले से इलाज कर रहे हैं। झोलाछाप डॉक्टरों को लटेरी बीएमओ का कोई डर नहीं है। शहर एवं ग्रामीण इलाकों को मिलाकर इनकी संख्या सैकड़ा को पार कर चुकी है। इनके द्वारा दी जाने वाली अनाप-शनाप दवाइयां कई मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ हो रहा है। अगर यह कहा जाए कि झोलाछाप डॉक्टर दवा नहीं बल्कि मौत बांट रहे हैं तो इसमें किसी प्रकार का संशय नहीं होना चाहिए।

अपना क्लीनिक की जांच को देखकर प्रशासन पर उठ रहे सवाल – अपना क्लीनिक पर की गई जांच को लेकर लटेरी का राजस्व अमला एवं लटेरी बीएमओ संदेह के घेरे में है। राजस्व अमला एसडीएम अनुभा जैन के नेतृत्व में एवं स्वास्थ अमला बीएमओ अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में झोलाछाप डॉक्टरों की जांच के लिए निकलता है। दोनों विभागो के अमले के बाजार में पहुंचने से पहले झोलाछाप डॉक्टरों को सूचना प्राप्त हो जाती है तो झोलाछाप डॉक्टर अपनी अपनी क्लिनिक बंद करके भाग खड़े होते हैं।संयुक्त अमले को मात्र एक क्लिनिक खुला हुआ पाया गया, इस क्लीनिक में मरीजों की भीड़ लगी हुई थी। मरीजों को इंजेक्शन लगाये जा रहे थे तो कुछ को ड्रिप चढ़ाई जा रही थी। प्रशासन के पहुंचते ही क्लीनिक में भगदड़ मच गई। जो मैडम क्लीनिक पर बैठकर इलाज कर रही थी वह पीछे के दरवाजे से भाग खड़ी हुई। क्लीनिक स्टाफ द्वारा आनन फानन में मरीजों को तितर बितर कर दिया गया। कुछ महिलाओं की आधी ही चढ़ी हुई ड्रिप निकाल दी गई ,वो भी स्वास्थ्य एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामने। लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह है की जब संयुक्त अमले को क्लिनिक खुला हुआ पाया गया और मरीज भी क्लिनिक में एलोपैथिक पद्धति से इलाज होता पाया गया तो कार्यवाही क्यों नही की गई।क्लीनिक की सील क्यों नहीं किया गया।

मेडिकलों की आड़ में चल रहे अवैध क्लिनिक

नगर में मेडिकल की आड़ में कई अवैध क्लिनिक संचालित किए जा रहे है। कई लोगों ने मेडिकल का लाइसेंस किराये पर ले रखा है और पास में खुद का अवैध क्लिनिक खोलकर आम जनता की विभिन्न गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। सूत्रों की माने तो इन क्लीनिकों पर महिलाओं की डिलीवरी से लेकर अबॉर्शन तक किए जा रहे है। संयुक्त अमले को जांच के दौरान भी क्लिनिक पर मरीज इलाज कराते हुए मिले। महिलाओं पर ड्रिप लगी हुई मिली जबकि बिना एमबीबीएस डॉक्टर की परमिशन के ड्रिप लगाना अनुचित है। सूत्रों के अनुसार लटेरी के झोलाछाप डॉक्टरों ने बीएमओ अभिषेक उपाध्याय से तगड़ा सेटलमेंट किया हुआ है। एक डॉक्टर के अनुसार प्रतिमाह मोटी रकम क्लीनिकों को चेक न करने के नाम पर बीएमओ को दी जाती है।

अपना क्लीनिक की जांच में मिलीं ढेरों अंग्रेजी दवाइयां

सबसे बड़ा जांच का विषय तो यह है कि जब इन झोलाछाप डॉक्टरों के पास कोई डिग्री नही, लाइसेंस नहीं है तो इनके पास इतनी मात्रा में अंग्रेजी दवाइयां आई कहां से? सरकार अगर गंभीरता से जांच कराए तो कई बहुत बड़े खुलासे हो सकते हैं। सरकारी नियम के अनुसार बिना डिग्रीधारी, लाइसेंसधारी क्लिनिक को अंग्रेजी दवाइयां नहीं दी जा सकती है। लटेरी के झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा मरीज के लिए किसी अन्य मेडिकल से नाम मात्र की दवाई मंगाई जाती है, सारी दवाइयां इन झोलाछाप डॉक्टरों के पास उपलब्ध रहती है। जब एक क्लिनिक की जांच की गई तो ढेरों अंग्रेजी दवाइयां पाईं गई, साथ साथ ड्रिप इंजेक्शन गिलब्स सीरप इलाज में काम आने वाले विभिन्न मेडिकल उपकरण पाए गए। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि लटेरी प्रशासन एवं बीएमओ पर किसका दवाब है जिसके कारण कार्यवाही नही की गई।

लटेरी में दर्जनों अवैध क्लिनिक

अकेले नगर लटेरी में दर्जनों अवैध क्लिनिक संचालित हो रहे है नगर में पग पग पर आपको झोलाछाप डॉक्टर बैठे मिल जायेंगे। नगर में संचालित अवैध क्लीनिकों की जानकारी निम्नानुसार है। अपना क्लीनिक नया बस स्टैंड साई कृपा दवाखाना मधुसूदन गड़ रोड राज नरसिंह होम बस स्टैंड आशीर्वाद क्लिनिक व्यास जी बाली गली शिव क्लिनिक आनंदपुर रोड संजीवनी हॉस्पिटल व्यास जी की कुईया उर्वशी क्लिनिक मिर्ची बाली गली, भोपाल केयर मिर्ची बाली गली गंगा हॉस्पिटल डॉक्टर दौराना के पास आदि नगर और आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों इतने झोलाछाप डॉक्टर है की लिखते लिखते पेपर में जगह कम पढ़ जाएगी।

इनका कहना है

“विदिशा से जिला स्वास्थ अधिकारी को भेजकर जल्द ही लटेरी के क्लीनिकों की जांच कराई जाएगी।”
–रोशन सिंह कलेक्टर विदिशा

वनडे टूर्नामेंट: अगले साल 19 फरवरी से होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय टीम के मुकाबले यूएई में होने की संभावना

ब्रॉडकास्टर्स के आगे झुका पीसीबी, हाइब्रिड मॉडल से होगी चैंपियंस ट्रॉफी

नईदिल्ली, एजेंसी

आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर चल रही अनिश्चिता जल्द खत्म हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हाइब्रिड मॉडल के तहत भारतीय टीम के मुकाबले किसी और देश में करवाने के लिए राजी हो गया है। हालांकि पीसीबी अभी तक हाइब्रिड मॉडल अपनाने से इंकार करता रहा है, लेकिन ब्रॉडकास्टर्स के दबाव के आगे उसे झुकना पड़ा। इसके बाद अब जल्द ही ना सिर्फ टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी होगा बल्कि भारतीय टीम के मैच कहां आयोजित होंगे, ये विवाद भी खत्म हो जाएगा। गौरतलब है कि यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब बीसीसीआइ ने सुरक्षा कारणों से टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजने से इंकार कर दिया था। भारतीय बोर्ड ने आइसीसी

से अपने मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत किसी दूसरे देश में कराने का आग्रह किया था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाइब्रिड मॉडल की संभावना से साफ इंकार कर दिया था, लेकिन अब वो भारत के मैच किसी और देश में कराने पर राजी हो गया है।

बीसीसीआई को नहीं पड़ेगा कोई फर्क

आइसीसी ने पीसीबी को समझाया कि यदि चैंपियंस ट्रॉफी स्थगित होती है या वो इस टूर्नामेंट का बॉयकॉट करता है तो बीसीसीआइ को कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बल्कि सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तान का होगा, जिसे 29 साल बाद आइसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने का मौका मिल रहा है। आइसीसी ने पीसीबी से कहा कि वे बीसीसीआइ के बारे में नहीं सोचे और दुनिया के अन्य देशों को दिखाए कि वह अच्छा मेजबान है और बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी करने का दमखम रखता है। इससे उसकी साख बढ़ेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल और एक सेमीफाइनल का आयोजन पाकिस्तान नहीं बल्कि यूएई में होगा। यह फैसला इसलिए लिए गया, ताकि यदि भारतीय टीम सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचे तो फिर विवाद की स्थिति पैदा नहीं हो।

पीसीबी चीफ नकवी ने की भारत से गुजारिश

हालांकि पीसीबी चीफ मोहसिन नकवी ने एक बार फिर भारतीय बोर्ड से गुजारिश की है कि खेल और राजनीति को अलग रखें। मुझे उम्मीद है कि बीसीसीआइ इस बारे में सोचेगा। नकवी ने कहा, हम पूरा भरोसा दिलाते हैं कि भारत की पाकिस्तान में खेलने को लेकर जो भी चिंताए हैं, हम उन्हें दूर करेंगे। आइसीसी को भी इस बारे में सोच-समझकर सबके हित में कोई निर्णय लेना होगा।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज: ऑस्ट्रेलिया में हैट्रिक बनाने का ऐतिहासिक मौका

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर लगातार दो टेस्ट सीरीज जीतीं

पर्थ. एजेंसी

भारतीय टीम जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज की शुरुआत करेगी तो उसके पास ऐतिहासिक रेकॉर्ड बनाने मौका होगा। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर 2018-19 और 2020-21 में लगातार दो बार टेस्ट सीरीज जीती है। यदि भारतीय टीम इस बार भी सीरीज जीतने में सफल रही तो वह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज की हैट्रिक बनाने वाली दुनिया की चौथी टीम बन जाएगी। इससे पहले, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीम ही यह कमाल कर सकी है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम है। यदि अन्य एशियाई टीमों पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की बात करें तो ये टीमें कभी भी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी हैं। बांग्लादेश तो ऑस्ट्रेलिया में आज तक कभी टेस्ट मैच भी नहीं जीता है।

कप्तान जसप्रीत बुमराह की होगी अग्निपरीक्षा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा नहीं खेलेंगे। उनकी अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी करेंगे। उन्होंने अब तक सिर्फ एक बार इंग्लैंड के खिलाफ कप्तानी की थी और टीम इंडिया वो टेस्ट हारी थी। भारतीय टीम को हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में हार झेलनी पड़ी थी। ऐसे में जसप्रीत बुमराह के कंधों पर टीम को जीत की पटरी पर लाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

रोहित और शुभमन गिल की खलेगी कमी

भारतीय टीम को पहले टेस्ट मैच में नियमित कप्तान रोहित शर्मा और बल्लेबाज शुभमन गिल की कमी खलेगी। रोहित हाल ही में बेटे के पिता बने हैं और इस कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल रहे हैं। वहीं, तीसरे नंबर पर खेलने वाले गिल अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए। उनके अंगूठे में फ्रैक्चर है और वह तीन सप्ताह के लिए मैदान से दूर हो गए हैं। ऐसे में कप्तान जसप्रीत बुमराह के लिए चुनौतियां आसान नही हैं।

यूएफा नेशंस लीग: आयरलैंड को 5-0 से हराया

इंग्लैंड ने दूसरे हाफ में दागे पांच गोल, शीर्ष पर कब्जा

एड्रियन के दो गोल, फ्रांस ने इटली को 3-1 से दी शिकस्त

लंदन. एजेंसी

हैरी केन की अगुवाई में इंग्लैंड की फुटबॉल टीम ने आयरलैंड के खिलाफ यूएफा नेशंस लीग मुकाबले में 5-0 से धमाकेदार जीत दर्ज की। रोचक बात यह है कि पहले हाफ तक मैच में एक भी गोल नहीं हुआ था, लेकिन दूसरे हाफ में इंग्लिश टीम ने दनादन अंदाज में पांच गोल कर एकतरफा जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड लीग बी के ग्रुप-2 में शीर्ष पर पहुंच गया है। इंग्लैंड की ओर से इस मैच में हैरी केन ने 53वें, एंथनी गोर्डन ने 55वें, कोनोर गेलाघर ने 58वें, जेरोड बावेन ने 76वें और टेलर हारवुड-बेलिस ने 79वें मिनट में गोल किए। एक अन्य मैच में फ्रांस ने इटली को 3-1 से हरा दिया। फ्रांस की जीत में एड्रियन रेबियट ने दो गोल किए। रेबियट ने ये दोनों गोल हैडर के जरिए किए। रेबियट ने मैच के दूसरे ही मिनट में फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। जिसे इटली के गुग्लिल्मो विकारियो ने 33वें मिनट में आत्मघाती गोल कर दुगुना कर दिया। इटली ने भी एंड्रिया कैम्बियारो के 35वें मिनट में किए गए गोल से खाता खोला। लेकिन रेबियट ने 65वें मिनट में एक और गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

मेट्रो बाजार

ग्राहकों को भा रहीं सीएनजी कारें बिक्री में एसयूवी की 54% हिस्सेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत में कारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। इनमें सबसे अधिक एसयूवी बिक रहे हैं, जबकि हैचबैक और सिडान कारों की कुल बिक्री में हिस्सेदारी लगातार घट रही है। 2021 में कारों की कुल बिक्री में एसयूवी की हिस्सेदारी 38.17 फीसदी थी जो अक्टूबर 2024 में बढ़कर 53.6 फीसदी हो गई। वहीं इस दौरान सिडान कारों की हिस्सेदारी 10.1 फीसदी से घटकर 8.31 फीसदी रह गई और हैचबैक की हिस्सेदारी 40 फीसदी से घटकर 24.6 फीसदी रह गई। जो ग्राहक सिडान कारें खरीद रहे हैं, उन्हें अब सीएनजी फिटेड कारें अधिक पसंद आ रही हैं। रिपोर्ट

के मुताबिक, भारत में बिकने वाली 41 फीसदी से अधिक सिडान कारें अब सीएनजी से चलती हैं, क्योंकि लोग स्वच्छ ईंधन पसंद कर रहे हैं। टैक्सी श्रेणी में मारुति डिजायर, हुंडई ऑरा, टाटा टिगोर जैसे लोकप्रिय मॉडल ने कॉम्पैक्ट सिडान की वृद्धि में योगदान दिया है। समूची सिडान श्रेणी में कॉम्पैक्ट सिडान की हिस्सेदारी साल 2021 की 68 फीसदी से बढ़कर साल 2024 में अब तक 74.6 फीसदी गई। इसके विपरीत निजी इस्तेमाल वाली मिड-सिडान (मुख्य रूप से होंडा सिटी, मारुति सियाज और फोक्सवैगन वर्चुस) की हिस्सेदारी साल 2021 की 26.2 फीसदी से घटकर अब 20.2 फीसदी रह गई। सिडान श्रेणी ने बाजार में हिस्सेदारी गंवा दी है, क्योंकि लोग एसयूवी पसंद कर रहे हैं। सीएनजी अपनाने में लगातार तेजी आई है। कुल सिडान कारों की बिक्री में साल 2021 में सीएनजी फिटेड कारों की हिस्सेदारी 10.8 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 41.5 फीसदी हो गई है। इसके विपरीत पेट्रोल सिडान कारों ने उपभोक्ताओं की पसंद गंवा दी है। इसकी हिस्सेदारी साल 2021 की 82 फीसदी की तुलना में तेजी से घटकर वर्ष 2024 में घटकर अब 55.5 फीसदी रह गई है। डीजल ने भी अपनी हिस्सेदारी गंवाई है और यह 2021 के 6.5 फीसदी से घटकर 2024 में केवल 1.1 फीसदी रह गई है।

अब सितंबर तिमाही में घटी बेरोजगारी दर, शहरों में हर 100 में 6.4 लोग बेरोजगार

नईदिल्ली, एजेंसी

शहरों में बेरोजगारी में लगातार कमी आ रही है और सितंबर तिमाही, 2024 में यह घटकर 6.6 फीसदी पर आ गई, जो अब तक की सबसे कम बेरोजगारी दर है। यानी शहरों में काम करने के इच्छुक हर 100 लोगों में केवल 6.4 लोग ही बेरोजगार हैं। महिलाओं की बेरोजगारी दर घटने और श्रमबल में उनकी हिस्सेदारी बढ़ने से बेरोजगारी दर में गिरावट आई है। केंद्र सरकार की ओर से जारी आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस सर्वे) के मुताबिक, शहरी इलाकों में नियमित वेतन पर काम करने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ी है। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक, सितंबर तिमाही में महिलाओं की श्रम बल में हिस्सेदारी दर (एलएफपीआर) बढ़कर 25.5 फीसदी पर पहुंच गई थी जो जून तिमाही में घटकर 25.2 फीसदी थी। वहीं पुरुषों की हिस्सेदारी भी बढ़कर 75 फीसदी हो गई है। देश के शहरी क्षेत्रों में 15 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों में बेरोजगारी दर सितंबर तिमाही में घटकर 6.4 फीसदी रही, जो जून तिमाही में 6.6 फीसदी थी। शहरों में महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर 9 फीसदी से घटकर सितंबर तिमाही में 8.4 फीसदी रह गई। लोग अब देश के कुल श्रमबल में शामिल या काम करने को इच्छुक, इनमें पुरुषों की 75 फीसदी और महिलाओं की 25.5 फीसदी हिस्सेदारी है। पुरुषों की बेरोजगारी दर जून के 5.8 फीसदी से घटकर सितंबर तिमाही में 5.7 फीसदी पर आ गई। कामकाजी जनसंख्या अनुपात में भी महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ी है। हालांकि, महिलाओं की कुल आबादी में केवल 23.4 फीसदी कामकाजी हैं,वहीं 70.7 फीसदी पुरुष कामकाजी हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

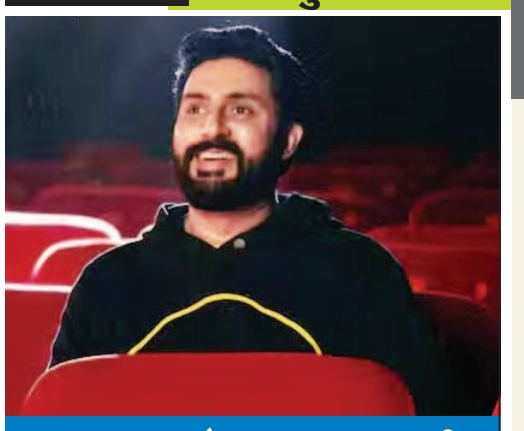

खाना खाते हुए बात करनी चाहिए या नहीं? अभिषेक बच्चन ने फैंस को दी सलाह

अभिषेक बच्चन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने बताया कि जब कोई खाना खाते हुए बात करता है तो उन्हें कैसा महसूस होता है। अभिनेता अभिषेक ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो साझा किया है। इसमें वे अपनी फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म के सीन के दौरान अभिषेक ने अपनी एक बात कही है। उन्होंने बताया कि खाता खाते हुए बात करनी चाहिए या नहीं। अभिषेक इस वीडियो में कहते हैं कि जब आप मुझसे बात करते हैं और उसी समय खाते भी हैं, ये आवाज सबसे बुरी लगती है इस वीडियो में उन्होंने लिखा, चबाना चाहिए या नहीं? जब आप बात कर रहे हों तब बिल्कुल नहीं। अभिषेक ने इस वीडियो पोस्ट के साथ लिखा, फिल्म के कुछ सीन जीते हुए। इस पोस्ट को प्रशंसकों ने पसंद किया है। इस पोस्ट पर करीना कपूर खान ने भी कमेंट किया है। इसमें लिखा है, मुझे इसके प्रोमो अच्छे लग रहे हैं। आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। मैं आपके लिए खुश हूं।

22 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

आई वॉन्ट टू टॉक सुजीत सरकार की निर्देशित फिल्म है। फिल्म 22 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर अभिषेक बच्चन बहुत ही उत्साहित हैं। फिल्म में जॉनी लीवर और अहिल्या बामरू भी हैं। यह पहली बार है जब अभिषेक बच्चन और शूजित सरकार ने किसी फिल्म में साथ काम किया है। फिल्म में अभिषेक बच्चन अर्जुन का किरदार निभा रहे हैं, जो संघर्षों से जूझने के बावजूद वह हार नहीं मानता है। अमिताभ बच्चन ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अभिषेक की आने वाली फिल्म 'आई वांट टू टॉक' की एक वीडियो टैग करते हुए लिखा- 'अभिषेक आपकी मेहनत हमेशा रंग लाएगी। मीनिंगफुल सिनेमा के लिए हमेशा जगह रहेगी और इसके साथ ही आप दूसरी फिल्में भी कर रहे हैं। आपके काम में काफी विविधता है।' आखिर में उन्होंने अभिषेक को 'लव यू' लिखा।

अभिनेता शाहरुख खान, बोले- अपने काम की आलोचना करना मुझे नहीं पसंद...

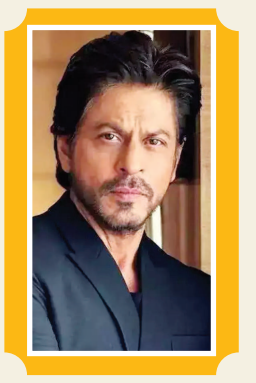

दुबई के ग्लोबल फेट समिट में शाहरुख खान ने गलतियों को सबक में बदलने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और असफल होने का साहस करो फिर से उठो। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान दुबई के ग्लोबल फेट समिट में शामिल हुए हैं। इस दौरान उन्होंने भविष्य में अभिनय की दुनिया में करियर बनाने वाले कलाकारों को कुछ खास बातों का ज्ञान दिया है। दरअसल, दुबई के ग्लोबल फेट समिट में किंग खान ने अभिनेताओं को मूल्यवान सलाह दी, उन्होंने कहा कि उन्हें दूर की सोचनी चाहिए और बड़े लक्ष्यों के साथ अपना ध्यान काम पर केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, एक छवि बनाने की कोशिश मत करो। बस खुद बनो। ईमानदार रहो। बहुत मेहनती बनो। गलतियां करने के लिए साहसी बनो। यह मत सोचो कि तुम्हें कौन फॉलो कर रहा है या तुम्हारे कितने प्रशंसक हैं। मुझे लगता है कि जीवन में आपके लिए लेने और देने के लिए बहुत कुछ है, न कि केवल 15 मिनट की लोकप्रियता के बारे में चिंतित होना। लंबे समय तक बने रहने के लिए काम करो। किंग खान ने आगे कहा, बड़े और लंबे समय तक का लक्ष्य बना कर उस पर काम करो, न कि सिर्फ कुछ समय के लाभ और लोकप्रियता को पाने के लिए काम करो। मुझे पता है कि ये ऐसी चीजें हैं, जिनके बारे में हम बचपन से पढ़ते हैं शाहरुख ने गलतियों को सबक में बदलने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, कड़ी मेहनत। असफल होने का साहस। फिर से उठो। बार-बार वही गलतियां करो और हर बार उनसे बाहर निकलने की कोशिश करो।

'गोलू' का ओटीटी पर नया गोल, खोए प्यार के लिए फिर दिखाएंगी ये काली काली आंखें

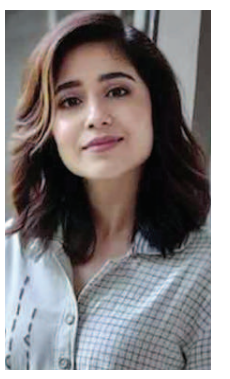

श्वेता त्रिपाठी 'ये काली काली आंखें' के दूसरे सीजन के साथ फिर लौट आई हैं। अब उन्होंने नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली इस सीरीज के बारे में बात की। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी फिर लौट आई हैं। मिर्जापुर, मसान में उनकी काली काली आंखों ने खूब जलवा दिखाया और अब जिस कहानी के साथ वह ओटीटी पर लौट रही हैं, उसका तो नाम ही है, ये काली काली आंखें। इस सीरीज के दूसरे सीजन में उनके किरदार पर ही लोगों की निगाहें टिकने वाली हैं क्योंकि बाकी सारे किरदार इस कहानी में अपने पत्ते पिछले सीजन में ही खोल चुके हैं। श्वेता त्रिपाठी कहती हैं, मैं चाहती हूं कि मेरे किरदार मुझसे अलग हों और एक-दूसरे से भी अलग हों। मुझे वे दांव पसंद हैं जो उच्च ड्रामा के साथ आते हैं, जहां प्रत्येक किरदार की यात्रा गहन और प्रभावशाली लगती है। ये काली काली आंखें में शिखा का किरदार मेरे किरदार से बहुत अलग है और मैं उसकी दुनिया में कदम रखने की चुनौती का आनंद लेती हूं। सीरीज ये काली काली आखें के बारे में उनका कहना है, ये शो वास्तव में सवाल पूछता है कि आप प्यार के लिए कितनी दूर तक जाएंगे? इस सीजन में शिखा खुद को इसी यात्रा पर पाती है, और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दर्शकों को गहराई में ले जाएगा और डराएगा भी। इस सीजन में, दर्शकों को मेरे किरदार का एक स्त्री और कमजोर पक्ष दिखाई देगा, फिर भी वह उग्र और दृढ़ है। यह जीवन में एक रोमांचक संतुलन है। ये काली काली आंखे के दूसरे सीजन का नेटफ्लिक्स पर खास प्रचार प्रसार तो नहीं हो रहा है लिहाजा इसके कलाकार अपनी बातें अपनी टीम के जरिये ही दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस सीरीज का पहला सीजन भी कुछ खास नहीं रहा। लेकिन, हां श्वेता को लोगों ने पसंद किया। इस बार भी वह कुछ नए कांड इस सीरीज में करने वाली हैं। इसके आगे पढ़ने के लिए पाठकों को स्पॉयलर के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि सीरीज में अपने किरदार के बारे में भी श्वेता ने खुलासा कर दिया है।

राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में घटनाएं, पुलिस ने किए प्रकरण दर्ज

दो बाइकों की आपस में भिड़ंत, 1 युवक की मौत, बुलट सवार घायल का इलाज जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के खजूरी इलाके में सोमवार रात दो बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई, जबकि बुलट पर सवार दूसरे युवक का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। इधर अन्य इलाकों में अलग-अलग कारणों से कई लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक हरिओम पुत्र जगदीश वर्मा (24) ग्राम केकडिया थाना खजूरी सड़क में रहता था। सोमवार की रात करीब साढ़े आठ बजे वह अपनी प्लैटिना बाइक से घर से निकला था। ग्राम तूमड़ा जोड़ पर सड़क क्रास करते समय भोपाल से इंदौर की तरफ जा रही बुलट बाइक से उसकी टक्कर हो गई। इस हादसे में हरिओम और बुलट बाइक पर सवार युवत चेतन निवासी छिंदवाड़ा गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां हरिओम ने देर रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। गंभीर रूप से घायल चेतन का इलाज चल रहा है।

जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। इधर, ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित ओल्ड सुभाष नगर में रहने वाली गौरी पंजीयार (57) गृहणी थी। सोमवार दोपहर वह बाथरूम में फिसलकर गिरने से घायल हो गई थी। उन्हें इलाज के लिए जयप्रकाश अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

युवक की संदिग्ध हालत में गई जान

भोपाल। कटारा हिल्स थानांतर्गत हैवंस लाइफ कालोनी में रहने वाले सौरभ शर्मा (41) की सोमवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। परिजन उन्हें इलाज के लिए एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे, इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। संतोष मूलतः उदयपुर राजस्थान का रहने वाला था। वह क्रेशर बस्ती अयोध्या नगर में रहता था, लेकिन पिछले कुछ समय से औबेदुल्लागंज में रहता था और टेलरिंग का काम करता था। वह मिनाल गेट तक कैसे पहुंचा था, इसका खुलासा नहीं हो सका है।

बेहोशी की हालत में मिले युवक की मौत

अयोध्या नगर थानांतर्गत मिनाल गेट के पास बेहोशी की हालत में मिले संतोष लोधी (38) को

सड़क हादसे में युवक की मौत, जांच जारी

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्रड़स्थित भौंरी बायपास पर रेलवे के निर्माणाधीन प्रोजेक्ट के पास गत 1 नवंबर की शाम बाइक सवार गिरकर घायल हो गया। उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, वहां से परिजन उसे भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। निजी अस्पताल में मंगलवार शाम उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वह स्वयं गिरा था या फिर उसे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार सुरेश कुमार गौर पिता अनोखीलाल गौर (30) बृजेश नगर, इछावर में रहता था और प्राइवेट काम करता था। गत 1 नवंबर की शाम वह अपनी बाइक से भोपाल से इछावर लौट रहाड़था, तभी भौंरी बायपास पर उसकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में उसे सिर में गंभीर चोट आईड़थी। हादसे के बाद से ही वह बेहोश था। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भोपाल पहुंचे और हमीदिया अस्पताल से उसे निजी अस्पताल में शिफ्ट कराया था। वहां मंगलवार शाम सुरेश की मौत हो गई।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला

भोपाल। निशातपुरा इलाके में रहने वाले एक युवक पर दो लोगों ने चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। दोनों के बीच पुराना विवाद चल रहा था। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अमन कालोनी में रहने वाला आदिल खान (18) डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता है। वकील कालोनी में रहने वाले अबीन के साथ कुछ दिनों पहले उसका विवाद हुआ था, जिस पर उसने अबीन पर हमला किया था। उसके बाद से दोनों के बीच रंजिश चल रही थी। सोमवार की रात करीब दस बजे अबीन ने पुराने विवाद को सुलझाने लिए आदिल को बुलाया था। आदिल पहुंचा तो अबीन और उसका साथी मिले। दोनों पुराने झगड़े को लेकर गाली-गलौज करने लगे। आदिल ने जब गाली देने से मना किया तो दोनों ने मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में आदिल को गंभीर चोट आई है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

रीजनल कॉलेज के रिटायर्ड क्लर्क की कमरे में मिली लाश

भोपाल। टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित सरस्वती नगर में मंगलवार शाम रिटायर्ड क्लर्क की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद लाश पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी है। उनके परिजन अहमदाबाद से भोपाल के लिए निकल गए है। परिजन के भोपाल पहुंचने पर उनका पीएम कराया जाएगा।

चार दिन पुरानी लाश हो रही थी डिकंपोज

पुलिस के अनुसार एलआईजी -101 सरस्वती नगर नगर जवाहर चौक निवासी राकेश कुमार सोनी, रीजनल कॉलेज से रिटायर्ड हैं। उन्होंने डेढ़ साल पहले वीआरएस ले लिया था। उनके परिवार में पत्नी के अलावा बेटा और बेटी है। बेटी की वह शादी कर चुके हैं। गत 27 अक्टूबर को उनकी पत्नी और बेटा रिश्तेदारी में अहमदाबाद गए हुए हैं। यहां घर में राकेश कुमार अकेले थे। राकेश कुमार के परिजन ने बताया कि बात करने के लिए उन्हें कॉल लगा रहे थे, लेकिन दो दिन से वे कॉल रिसीव नहीं कर रहे थे। बेटे ने पड़ोसी से घर जाकर बात कराने का कहा। पड़ोसी घर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। उसने काफी आवाज दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। अनहोनी की आशंका होने पर पड़ोसी ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर फर्श पर राकेश की लाश नजर आई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और लाश पीएम के लिए भेज दी। लाश करीब चार दिन पुरानी होने के कारण डिकंपोज हो चुकी थी। दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण मामला संदिग्ध नहीं लग रहा है। अनुमान हैड़कि उन्हें हार्ट अटैक आया होगा। हालांकि पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। मंगलवार शाम ही सोनी का बेटा और पत्नी अहमदाबाद से भोपाल के लिए निकल गए थे।

ट्रेनों में चोरी करने वाला जिलाबदर बदमाश पकड़ा

8 मोबाइल और जेवरात समेत 4 लाख रुपए का माल बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जीआरपी भोपाल ने ट्रेनों में चोरी करने वाले एक जिलाबदर बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी के 8 मोबाइल फोन और जेवरात समेत करीब 4 लाख रुपये का माल बरामद किया गया है। आरोपी टीला जमालपुरा का बदमाश है, जो जिलाबदर होने पर ऐशबाग इलाके में किराए से रह रहा था। जांच के दौरान 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद बदमाश को उसके कीमती ट्रैकशूट से पहचान कर गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि बैतूल निवासी नारायण सिरोरिया श्रीधाम एक्सप्रेस में पत्नी रोशनी के साथ इटारसी से ग्वालियर की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने अपना ट्राली बैग पत्नी की सीट के नीचे रखा था।

भोपाल रेलवे स्टेशन से ट्रेन चलने पर देखा तो उनका बैग चोरी हो चुका था। चोरी गए बैग में रियलमी कंपनी का मोबाइल, सोने का नेकलेस, सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी सोने के कान की झुमकी, सोने की अंगूठी, एक जोड़ी चांदी की पायल, एक जोड़ी चांदी की पायल बच्ची की, नगदी 6000 रुपए, आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, इस्तेमाली कपडे, दो चार्जर, कास्मेटिक का सामान समेत कुल करीब 3 लाख का माल रखा हुआ था। इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। सीसीटीवी कैमरों से मिला सुराग जांच में जुटी पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशनों और शहरी इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। 100 से ज्यादा फुटेज देखने के बाद पुलिस टीम ने रूटमैप तैयार किया और फुटेज के सहारे ऐशबाग की गलियों से होते हुए बागफरहत अफ्जा तक पहुंची।

कीमती ट्रैकशूट के आधार पर पुलिस ने संदेही रानु उर्फ मशरूर (27) निवासी पुतलीघर टीला जमालपुरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने श्रीधाम एक्सप्रेस में ट्राली बैग चोरी करना स्वीकार लिया। पुलिस ने आरोपी के किराए के मकान से उक्त बैग जेवरात समेत बरामद कर लिया। इसके साथ ही विभिन्न यात्रियों से चोरी किए गए कुल 8 मोबाइल भी जब्त हुए। जब्त हुए कुल माल की कीमत चार लाख रुपये बताई गई है। सोते समय चोरी करता था सामान आरोपी रानू उर्फ मशरूर कुख्यात बदमाश है। उसके खिलाफ टीला जमालपुरा थाने में मारपीट और जुआ एक्ट समेत करीब एक दर्जन अपराध पहले से दर्ज हैं। आरोपी जिलाबदर होने के चलते ऐशबाग में रह रहा था। वह रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेनों में चड़ जाता था और सोते हुए यात्रियों का सामान चोरी कर उतर जाता था।

अवैध शराब और गांजे के साथ कई तस्कर पुलिस ने किए गिरफ्तार

भोपाल। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के भोपा नगरीय और देहात थाना पुलिस भी लगातार कार्रवाई कर रही है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान अलग-अलग थानों की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई तस्करों को गिरफ्तार किया है। राजधानी के देहात में बैरसिया थाना पुलिस ने कुल्होर चौराहे के पास दयाल सिंह गुर्जर निवासी बैरसिया को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से 12 हजार रुपए का गांजा जब्त किया गया है। इसी प्रकार परवलिया सड़क थाना पुलिस ने ग्राम शाहपुर के पास अवैध शराब लेकर जा रहे मुन्नालाल अहिरवार निवासी परवलिया को पकड़कर 13 सौ रुपये की शराब जब्त की है। इधर मिसरोद पुलिस ने ग्यारह मील स्थित नंदी चौराहे के पास मानसिंह बालमीकि नि. जाटखेड़ी मिसरोद को पकड़कर अवैध रूप से रखा 10 हजार का गांजा जब्त किया है। आरोपी उक्त मादक पदार्थ बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में निकला था। इधर ऐशबाग पुलिस ने प्रभात चौराहे के पास हेमंत से 3270 रुपए की अवैध शराब, कटारा हिल्स पुलिस ने रापडिया़ चौराहे के पास प्रहलाद पाल से 1800 रुपए, बागसेवनिया पुलिस ने बरखेड़ा पानी की टंकी के पास संजय तिवारी से 4200 रुपए और कोलार थाना पुलिस ने धोली खदान के पास सनी पांडे से 4080 रुपए कीमत की अवैध शराब जब्त की है।

टीला जमालपुरा में हुई वारदात

5 लाख के जेवरात चोरी, पुलिस ने चंद घंटों में कर दिया खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

टीला जमालपुरा स्थित एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोर 5 लाख रुपये कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए। वारदात के समय पूरा परिवार घर पर ताला लगाकर एक शादी समारोह में शामिल होने चला गया था।

पुलिस ने घटना के चंद घंटों बाद ही दो भाइयों को गिरफ्तार कर चोरी किया गया पूरा माल बरामद कर लिया है। आरोपियों से चोरी और नकबजनी की अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार लत सिरमोरिया पत्नी मनोज सिरमोरिया (36) कबीटपुरा थाना टीला जमालपुरा में रहती हैं और गृहणी हैं। रविवार की रात करीब 9 बजे वह घर पर ताला लगाकर परिवार समेत छोला मंदिर में रहने वाले एक रिश्तेदार के यहां शादी में चली गई थी। सोमवार सुबह करीब छह बजे घर पहुंची तो ताला टूटा मिला और अंदर पूरा सामान बिखरा पड़ा था। बदमाशों ने गोदरेज की अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे करीब 5 लाख रुपये के जेवरात चोरी कर लिए थे। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया था। वारदात में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार मामले की जांच के लिए पुलिस ने एक विशेष टीम बनाई थी। टीम ने संदेह के आधार पर अजहर अली (22) और उसके भाई सरवर अली (24) दोनों निवासी बागमुफ्ती साहब कबीटपुरा थाना टीला जमालपुरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किया गया पांच लाख रुपये कीमत का पूरा माल बरामद कर लिया है।

पुलिस ने स्कूली बच्चों को किया जागरूक, दी गई समझाइश

भोपाल। बाल अधिकार सप्ताह के अंतर्गत अयोध्या नगर पुलिस और मीत संस्थान की संयुक्त टीम द्वारा तुलसी कान्वेंट स्कूल परिसर में जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दसवीं और ग्यारहवीं कक्षा के बच्चों को बाल अधिकार, बाल सुरक्षा, सायबर क्राइम, पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न विषियों पर विस्तार से जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक किया गया। हेड कांस्टेबल आशीष श्रीवास और मीत संस्थान से रेखी श्रीधर ने बच्चों को मोबाइल का उपयोग करते समय सावधानी बरतने, पॉक्सो कानून के अंतर्गत आने वाले अपराधों की जानकारी दी। बच्चों को बताया गया है कि किसी भी प्रकार का अपराध होने पर उन्हें चुप रहने के बजाए परिजन और पुलिस को जानकारी देनी चाहिए। मोबाइल फोन पर महापुरुषों की जीवन सर्च कर पढने़ और ज्ञान अर्जित करने की सलाह दी गई है।

युवती की रिपोर्ट पर पुलिस ने किया दंपती पर छेड़छाड़ का प्रकरण दर्ज

भोपाल। महिला थाना पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर दंपती के खिलाफ छेड़छाड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक 25 वर्षीय युवती प्ले स्कूल चलाती है। पिछले जून के महीने में उसने मिसरोद में रहने वाले गगन नामक युवक का मकान स्कूल चलाने के लिए किराए पर लिया था। उसके बाद गगन युवती के साथ अश्लील बातें करने लगा। वह वीडियो काल करके उसे परेशान करता था। इसकी जानकारी युवती ने गगन की पत्नी को दी थी। इस पर गगन नाराज हो गया और पत्नी के साथ मिलकर युवती को धमकाने लगा। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। बाद में उसने महिला थाने जाकर दोनों के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर | दो मकान मालिकों पर किया गया शासकीय आदेश के उल्लंघन का केस

किराएदारों की जानकारी नहीं देने पर प्रकरण दर्ज

अयोध्या नगर पुलिस द्वारा किराएदारों का वेरीफिकेशन, चरित्र सत्यापन, बदमाशों की निगरानी और धरपकड़ के लिए इलाके की पेट्रोलिंग की गई।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर पुलिस द्वारा किराएदारों का वेरीफिकेशन, चरित्र सत्यापन, बदमाशों की निगरानी और धरपकड़ के लिए इलाके की पेट्रोलिंग की गई। इस दौरान किराएदारों का सत्यापन नहीं कराने वाले दो मकान मालिकों के खिलाफ शासकीय आदेश के उल्लंघन का केस दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार भोपाल शहर की कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने, आपराधिक

गतिविधियों की रोकथाम और संदिग्धों की पहचान के लिए संस्थानों के कर्मचारियों और किराएदारों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करने अथवा थाने में देने के लिए पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने आदेश जारी किए थे। इसको लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार भी किया गया था।

अयोध्या नगर पुलिस की टीम इलाके में सर्चिंग करने के लिए निकली थी

सोमवार को अयोध्या नगर पुलिस की टीम इलाके में सर्चिंग के लिए निकली थी। इस दौरान एन-सेक्टर अयोध्या नगर में रहने वाले मकान मालिक हरिसिंह यादव और मनोज कुमार गुप्ता के घर पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि दोनों के यहां किराएदार रह रहे हैं, लेकिन इसकी जानकारी मकान मालिकों ने पुलिस को नहीं दी थी। इस पर पुलिस ने मकान मालिकों के खिलाफ शासकीय आदेश के उल्लंघन का केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। इस तरह की कार्रवाई शेष अंचल में जारी रहेगी पुलिस टीम पूरी तैयारी से जुटी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022